mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-158 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
09 जून 2026 मंगलवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

फिलीपींस में 7.8 तीव्रता का भूकंप, इमारतें गिरीं, 16 की मौत

● 2 घंटे में 138 झटके आए

मनीला,एजेंसी। फिलीपींस में सोमवार सुबह 7.8 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया, जिससे कई इमारतों को नुकसान पहुंचा है। प्रभावित इमारतों में ज्यादातर दुकानें, दफ्तर और व्यावसायिक भवन शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक अब तक 16 लोगों की मौत हुई है, जबकि 200 से ज्यादा लोग घायल हैं।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (USGS) के मुताबिक, भूकंप भारतीय समयानुसार सुबह 5:07 बजे आया। भूकंप का केंद्र मिंडानाओ द्वीप के पास समुद्र में था। यह सारंगानी प्रांत के मासीम कस्बे से लगभग 32 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में और 33 किलोमीटर की गहराई पर आया। अधिकारियों का कहना है कि यह इस साल फिलीपींस में आया सबसे शक्तिशाली भूकंप है। भूकंप के बाद सुनामी भी आई। सबसे ऊंची लहर की ऊंचाई 1.4

4.5 फीट से ज्यादा ऊंची लहरें उठीं

मीटर (करीब 4.6 फीट) रही। एहतियात के तौर पर इंडोनेशिया और मलेशिया ने भी सुनामी की चेतावनी जारी की थी, जिसे कुछ घंटों बाद वापस ले लिया गया। फिलीपींस के ज्वालामुखी और भूकंप विज्ञान संस्थान (फिवोल्क्स) ने बताया कि स्थानीय समयानुसार सुबह 11 बजे तक 138 आफ्टरशॉक दर्ज किए गए। इन झटकों की तीव्रता 1.3 से 6.7 के बीच रही। दक्षिण कोटाबाटो, दावाओ ऑक्सिडेंटल और बालुत द्वीप समेत अन्य दक्षिणी इलाकों में भी 9 लोगों की मौत हुई। इनमें कुछ लोग गिरते मलबे, एक क्षतिग्रस्त मस्जिद और भूस्खलन की चपेट में आ गए। अधिकारियों ने बताया कि जनरल सैंटोस में एक दो मंजिला स्कूल इमारत के गिरने की खबर के बाद राहत और बचाव अभियान चलाया गया। आशंका जताई गई कि कुछ छात्र मलबे में फंस सकते हैं। वहीं पुलिस के अनुसार शहर में कम से कम 7 लोग लापता हैं। सोमवार को गर्मी की छुट्टियों के बाद देशभर के सरकारी स्कूल खुले थे। दक्षिणी क्षेत्र के अधिकारियों के मुताबिक सुबह ध्वजारोहण समारोह में शामिल 100 से ज्यादा छात्रों को हल्की चोटें आईं, जबकि कई बच्चे घबराहट के कारण बेहोश हो गए। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने कहा कि उन्होंने सभी संबंधित सरकारी एजेंसियों को तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने प्रभावित इलाकों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और राहत-बचाव अभियान शुरू करने को कहा है।

सैंटोर शहर में सबसे ज्यादा नुकसान... 7 लाख से ज्यादा आबादी वाले बंदरगाह शहर जनरल सैंटोस में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। यहां कई इमारतों में दरारें आ गईं, कुछ छोटी इमारतें आंशिक रूप से ढह गईं और एक पुल भी क्षतिग्रस्त हो गया। क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन अधिकारियों के मुताबिक शहर में कम से कम 7 लोगों की मौत हुई और करीब 130 लोग घायल हुए हैं।

: ब्रीफ बॉक्स :

टीएमसी नेता जहांगीर खान नेपाल बॉर्डर से गिरफ्तार

दावा- उनके समर्थकों ने महिलाओं को गैंगरेप की धमकी दी थी; फालता सीट से कैंडिडेट था

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम

बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने टीएमसी नेता जहांगीर खान को गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी नेपाल बॉर्डर से की गई है। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के फालता पुलिस स्टेशन में खान के खिलाफ 7 एफआईआर दर्ज की गई थीं। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि जहांगीर के समर्थकों ने महिलाओं को गैंगरेप की धमकी दी थी। हालांकि अभी बंगाल पुलिस की तरफ से इस पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। वह नेपाल भागने की फिराक में था। पुलिस जहांगीर को कोलकाता ला रही है। जहांगीर ने 2026 का विधानसभा चुनाव फालता सीट से लड़ा था। चुनाव के दौरान हुई गड़बड़ियों के कारण यहां दोबारा चुनाव हुए थे।

मानसून 12 राज्यों में पहुंचा एमपी-यूपी में बारिश राजस्थान में ओलावृष्टि

दिल्ली एयरपोर्ट पर तेज आंधी-बारिश से एअर इंडिया के 3 विमान डैमेज

भोपाल/ लखनऊ/ जयपुर/ पटना, एजेंसी। देश में दक्षिण-पश्चिम मानसून तेजी से आगे बढ़ रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक, रविवार तक मानसून 12 राज्यों तक पहुंच गया। इसने पूरे केरलम, कर्नाटक, मणिपुर, नगालैंड और मिजोरम को कवर कर लिया है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में प्री-मानसून बारिश हो रही है। राजस्थान के श्रीगंगानगर में रविवार को बारिश के साथ ओले गिरे। मध्य प्रदेश के इंदौर-खंडवा हाईवे पर आंधी से ऑटो पलट गया। दिल्ली एयरपोर्ट पर तेज आंधी और बारिश के दौरान ग्राउंड सपोर्ट उपकरणों की टक्कर से एअर इंडिया के तीन नैरो बॉडी विमान क्षतिग्रस्त हो गए। घटना के बाद तीनों विमानों को ऑपरेशन से बाहर कर दिया गया है। दिल्ली-NCR में सोमवार से मौसम में बदलाव आया है, यहां दोबारा गर्मी बढ़ेगी। आने वाले दिनों में तापमान 45°C तक पहुंचने की आशंका है। मौसम विभाग के अनुसार अगले हफ्ते हीटवेव जैसी परिस्थितियां बन सकती हैं।

ट्विशा केस- रस्सी एस नहीं भेजी,SI की कार में रखा

फंदे की पहचान करने वाले का रिकॉर्ड नहीं

» गिरिबाला तक पहुंच रहीं थी जांच डिटेल्स

भोपाल,एजेंसी। एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा डेथ केस की जांच कर रही सीबीआई मामले की कड़ियों को जोड़ने में जुटी है, लेकिन इससे पहले हुई पुलिस जांच की प्रोसेस पर सवाल उठे हैं। सास और रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह की ओर से जबलपुर हाईकोर्ट में पेश किए गए दस्तावेजों में सामने आया है कि जांच से जुड़े अहम तथ्य पहले ही उनके पास पहुंच रहे थे। इसी के चलते वह समय रहते अग्रिम जमानत लेने में सफल हो गई। शुरुआत में ही सास गिरिबाला और पति समर्थ को संदिग्ध के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए था, लेकिन पुलिस ने ऐसा नहीं किया। 13 मई 2026 को सुबह करीब 9:42 बजे सब इंस्पेक्टर (SI) दिनेश शर्मा ने फंदे की रस्सी जब्त की थी, फिर भी दस्तावेजों में रस्सी की पहचान करने वाले का स्पष्ट विवरण दर्ज नहीं है। ट्विशा के परिजन की ओर से भोपाल कोर्ट में एडवोकेट अंकुर पांडे पैरवी कर रहे हैं। उनका कहना है कि रस्सी को तत्काल एम्स अस्पताल भेजने के बजाय SI की कार में रख दिया गया। बाद में उसे जांच के लिए भेजा गया। हैरानी यह है कि इतनी बड़ी चूक के बावजूद जिम्मेदार SI पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। बता दें, 27 मई को हाईकोर्ट ने गिरिबाला सिंह की अग्रिम जमानत रद्द कर दी थी।

मणिपुर के उखरुल में असम राइफल्स का विरोध, बंकर तोड़ा

● जवानों का दावा- महिलाओं ने उन पर पेट्रोल डाला ● झड़प में 22 तंगखुल महिलाएं घायल

उखरुल,एजेंसी। मणिपुर के उखरुल जिले के शोक्वाओ और न्यू हेवन इलाके में रविवार सुबह सैकड़ों महिलाएं असम राइफल्स के जवानों और वाहनों के आगे दीवार बनकर खड़ी हो गईं। मशालें, लाठियां लिए ये तंग्खुल नगा महिलाएं जवानों को आगे नहीं बढ़ने दे रही थीं। सैन्य अधिकारियों ने चेतावनी दी। इसके बावजूद वे डटी रहीं और 'हमारी जमीन, हमारा अधिकार नारे लगाती रहीं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, जवानों ने पुलिस और मजिस्ट्रेट की गैरमौजूदगी में कई राउंड हवाई फायर किए और लाठीचार्ज किया। प्रदर्शन कर रही महिलाओं से धक्का-मुक्की भी की गई। हालांकि सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में जवानों ने यह दावा किया है कि विरोध कर रही महिलाओं ने उन पर पेट्रोल डालकर जलाने की कोशिश की। रिपोर्ट्स में एक प्रदर्शनकारी के पैर पर गोली लगने का दावा किया गया। वहीं, 22 महिलाएं घायल हो गईं। इन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

वजह- जिसके कारण आंदोलन हिंसक हुआ: सूत्रों के मुताबिक, शोक्वाओ गांव की महिलाओं ने न्यू हेवन की ओर बढ़ रहे काफिले को शनिवार देर रात ही रोक लिया था। इससे रातभर तनाव रहा। सुबह होते ही एक समूह ने शोक्वाओ पर ब्लॉकेड बनाया, तो दूसरे ने न्यू हेवन में सुरक्षा बल का बंकर ध्वस्त कर दिया। आरोप है कि असम राइफल्स ने शोक्वाओ की विलेज अथॉरिटी की सहमति के बिना न्यू हेवन में अस्थायी बंकर बनाया। यह मणिपुर (हिल एरियाज विलेज अथॉरिटीज) एक्ट, 1956 व आर्टिकल 371सी के तहत गांव के कस्टमरी लॉ का उल्लंघन है। घटनाक्रम के बाद से शोक्वाओ-न्यू हेवन में हालात तनावपूर्ण हैं। महिलाओं ने चेतावनी दी है कि असम राइफल्स को तुरंत वापस बुलाया जाए, वरना अप्रिय घटना की जिम्मेदारी असम राइफल्स की होगी।

CRPF डीजी बोले- सरकार ने इतने हथियार किसलिए दिए: सीआरपीएफ डीजी जीपी सिंह ने मणिपुर में तैनात जवानों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि नागरिक इलाकों में सक्रिय सशस्त्र मिलिटेंट्स के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करें। गौरतलब है कि दो कोबरा बटालियन यहां जल्द आने वाली हैं।

ईरान-इजराइल में 2 महीने बाद फिर जंग

ईरान ने तेल अवीव पर मिसाइलें दागीं इजराइल का जवाबी हमला

» भारत ने नागरिकों से ईरान छोड़ने को कहा

तेहरान/ वॉशिंगटन डीसी , एजेंसी। ईरान और इजराइल के अप्रैल में हुए सीजफायर के 2 महीने बाद दोबारा जंग शुरू हो गई। ईरान ने रविवार रात इजराइल पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। ईरान की रेवोल्यूशनरी गार्ड (IRGC) ने कहा कि यह कार्रवाई लेबनान में हिजबुल्लाह पर इजराइली हमलों के जवाब में की गई है। इसके जवाब में इजराइली सेना ने पश्चिमी और सेंट्रल ईरान के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। ईरानी समाचार एजेंसी IRNA के मुताबिक, तेहरान, तबरीज और इस्फहान में कई विस्फोट हुए। IRGC ने दावा किया कि इजराइल ने हमलों में एयर-लॉन्च बैलिस्टिक मिसाइलों का इस्तेमाल किया।

बढ़ते तनाव के बीच भारत ने भी अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने भारतीयों से ईरान की यात्रा न करने और वहां मौजूद लोगों को जल्द से जल्द देश छोड़ने की सलाह दी है।

ट्रंप ने संयम बरतने की अपील की... मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से तत्काल बड़े जवाबी हमले से बचने को कहा था। हालांकि इसके बावजूद इजराइल ने ईरान में सैन्य कार्रवाई की।

इस बीच ईरान, इराक और सीरिया ने अपने-अपने एयरस्पेस पर प्रतिबंध लगाए हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में भी तनाव का असर दिखा है और कच्चे तेल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ईरान और इजराइल के बीच यह ताजा टकराव ऐसे समय हुआ है जब दोनों देशों के बीच सीजफायर को लेकर पहले से ही तनाव बना हुआ था।

देश के बॉर्डर को स्मार्ट बनाने की तैयारी:

एडवांस्ड लैंड पोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम आज लॉन्च करेंगे अमित शाह

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार को लैंड पोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम (एलपीएमएस) लॉन्च करेंगे। यह एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिसे सभी लैंड पोर्ट्स के कामकाज को एक ही सिस्टम में जोड़ने के लिए बनाया गया है। यह सिस्टम एक आधुनिक, टेक्नोलॉजी-आधारित स्मार्ट बॉर्डर मैनेजमेंट सिस्टम होगा, जो व्यापार को आसान बनाने, कनेक्टिविटी और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने में मदद करेगा। गृह मंत्री डावकी (मेघालय) और श्रीमंतपुर (त्रिपुरा) लैंड पोर्ट्स पर स्टेकहोल्डर्स के लिए ठहरने की नई सुविधाओं का भी उद्घाटन करेंगे। गृह मंत्रालय ने कहा, 'आइसगेट, यूलिप और मोटर व्हीकल इकोसिस्टम जैसे प्रमुख राष्ट्रीय प्लेटफॉर्म के साथ पूरी तरह से जुड़े होने के कारण, एलपीएमएस बार्डर मैनेजमेंट को इंटरआपरेबल, कुशल और पारदर्शी बनाएगा।' यह प्लेटफॉर्म लॉजिस्टिक्स और रेगुलेटरी जानकारी के सुरक्षित और रियल-टाइम आदान-प्रदान को संभव बनाता है, जिससे लैंड पोर्ट्स भी एयरपोर्ट और सीपोर्ट पर चल रहे डिजिटल सिस्टम के बराबर स्टैंडर्ड वाले हो जाते हैं।

लैंड पोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम लॉन्च करेंगे अमित शाह... लैंड पोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम (एलपीएमएस) सरकारी एजेंसियों और प्राइवेट ऑपरेटर्स समेत अलग-अलग स्टेकहोल्डर्स के बीच बेहतर तालमेल बनाने में मदद करेगा, जिससे देरी कम होगी और कामकाज की क्षमता बढ़ेगी। यह सिस्टम कार्गो और यात्रियों की प्रोसेसिंग के लिए सुरक्षित एंड-टू-एंड डिजिटल वर्कफ्लो देगा, जिसमें स्लॉट बुकिंग, पेमेंट, ट्रैकिंग और सिंगल-विंडो क्लीयरेंस जैसी सुविधाएं शामिल होंगी।

स्टेज पर हरियाणवी डांसर की कमर छूने पर एफआईआर

» बोलीं- मेरी बहन मुझसे भी सुंदर पैसों का लालच होता तो वह भी इसी लाइन में होती

सोनीपत,एजेंसी। स्टेज परफॉर्मेंस के दौरान हरियाणवी डांसर की कमर छूने के मामले में उत्तर प्रदेश के सासनी थाने में स्नढ्रक्र दर्ज हो गई है। रविवार को डांसर ने हाथरस पहुंचकर थाने में अपने बयान दर्ज कराए। इसके बाद पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात युवक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 74 में मामला दर्ज कर लिया। यह घटना 3 जून को हुई थी। डांसर ने बदसलूकी करने वाले युवक को स्टेज पर ही थप्पड़ जड़ दिया था। इतना ही नहीं, डांसर ने इसका वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर भी पोस्ट किया था। विवाद के बाद डांसर ने ट्रोलर्स को जवाब देते हुए एक वीडियो जारी किया। उन्होंने कहा, 'मुझे स्टेज पर डांस करने का शौक नहीं है। मैं यह काम अपने परिवार के लिए करती हूं। इसी से मेरा घर चलता है। अगर मुझे सिर्फ पैसों का लालच होता, तो मेरी बहन मुझसे ज्यादा सुंदर है, वह भी मेरे साथ इसी लाइन में होती।

संसदीय समिति ने एटीए से पूछा-पेपर लीक की या परिभाषा

सीबीएसई से ओएसएम को लेकर सवाल- ठेका देने से पहले कंपनी का बैकग्राउंड जांचा था

नई दिल्ली ,एजेंसी। नीट पेपर लीक और CBSE के ऑन-स्क्रीन मार्किंग (OSM) सिस्टम से जुड़े विवादों की जांच कर रही संसदीय समिति ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) और CBSE से कई तीखे सवाल पूछे। साथ ही दोनों संस्थानों को तलब कर लिखित जवाब मांगे हैं। कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह की अध्यक्षता वाली समिति ने NTA से पूछा कि उसकी नजर में 'पेपर लीक' की परिभाषा क्या है, जबकि CBSE से पूछा कि क्या OSM का ठेका देने से पहले कोएम्प्ट (Coempt) कंपनी के बैकग्राउंड जांच की थी?

एनटीए से पूछा- क्या 2018 से किसी परीक्षा में पेपर लीक हुआ? समिति ने NTA से पूछा, '2018 से अब तक उसके द्वारा आयोजित परीक्षाओं में क्या कभी पेपर लीक हुआ?' हाल ही में NTA अधिकारियों ने दावा किया था कि उनके सिस्टम से कोई पेपर लीक नहीं हुआ, बल्कि केवल एक 'गेस पेपर' प्रसारित हुआ था। समिति ने NTA के आंतरिक ढांचे और मैनपावर पर पूरा ब्योरा मांगा है। एजेंसी से पिछले तीन साल के दौरान काम कर रहे कुल कर्मियों की संख्या की डिटेल और 2022 से अब तक विभाग में की गई सभी नई नियुक्तियों की जानकारी देने के लिए कहा गया।

कोएप्ट डायरेटर के ग्लोबरेना कंपनी से कनेशन पर सवाल ... समिति ने सवाल किया कि क्या बोर्ड को इस बात की जानकारी थी कि कोएम्प्ट कंपनी के डायरेक्टर पहले 'ग्लोबरेना टेक्नोलॉजीज' से जुड़े रहे हैं। दरअसल, 2019 में तेलंगाना 12वीं बोर्ड परीक्षा के रिजल्ट में गड़बड़ी को लेकर ग्लोबरेना के सॉफ्टवेयर को दोषी पाया गया था। बाद में कंपनी का नाम बदलकर कोएम्प्ट कर दिया गया। आरोप है कि ष्टक्चस्श्व ने इस विवादित रिकॉर्ड को नजरअंदाज करते हुए कंपनी को ठेका दिया। समिति ने सवाल किया कि ह्रस्रूके तीसरे टेंडर में खराब रिकॉर्ड वाली कंपनियों को अयोग्य ठहराने की शर्त क्यों हटाई गई। साथ ही, 12वीं की आंसर शीट की स्कैनिंग में मॉडर्न रोबोटिक स्कैनर की बजाय सामान्य स्कैनर इस्तेमाल करने की इजाजत क्यों दी गई।

जयपुर में नूरानी मस्जिद सील, बंद कर दिया गया इंटरनेट कड़े सुरक्षा पहरे में होगी अतिक्रमण पर कार्रवाई

जयपुर, एजेंसी। जयपुर विकास प्राधिकरण ने शहर के नंदपुरी इलाके में विकास कार्यों के आड़े आ रहे धार्मिक स्थलों को हटाने की प्रस्तावित कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी कड़ी में प्रशासन की टीम ने नूरानी मस्जिद को सील कर तोड़ने की कार्रवाई का काम चालू कर दिया है। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, मालवीय नगर से जगतपुरा तक जाने वाली मुख्य सड़क को चौड़ा करने का प्रोजेक्ट काफी समय से चल रहा है।

योजना के तहत नंदपुरी अंडरपास के पास रेलवे लाइन के साथ वाली सड़क की चौड़ाई मौजूदा 25-30 फीट से बढ़ाकर 80 फीट की जानी है। सड़क की इस निर्धारित सीमा के भीतर पांच धार्मिक स्थल आ रहे थे, जिन्हें अब हटाया जा रहा है। इनमें एक मस्जिद, दो मंदिर, एक मजार और एक सत्संग भवन शामिल हैं। गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों से सड़क चौड़ीकरण का काम तो चल रहा था, लेकिन मस्जिद को छोड़ दिया गया था। इसे लेकर सोशल मीडिया पर बीजेपी की आलोचना हो रही थी, जिसके बाद जेडीए ने इसे भी हटाने का पूरा खाका तैयार कर लिया।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम और इंटरनेट बंदी

इस अतिक्रमण हटाओ अभियान की संवेदनशीलता को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के बेहद कड़े बंदोबस्त किए हैं। पूरे इलाके को एक तरह से छावनी में तब्दील कर दिया गया है, जहां कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए 50 से अधिक प्रशासनिक अधिकारियों के साथ 3,000 से ज्यादा पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। एहतियात के तौर पर जिले के कई हिस्सों में इंटरनेट सेवाएं भी अस्थाई रूप से बंद कर दी गई हैं। इसके अलावा, शांति व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए पुलिस ने शहर के संवेदनशील और मुस्लिम बहुल इलाकों में फ्लैग मार्च निकाला है ताकि किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके। कानून और शांति व्यवस्था की पल-पल की निगरानी के लिए जयपुर पुलिस कमिश्नरेट के आला अधिकारी और जेडीए के उच्चाधिकारी मौके पर मौजूद हैं। ड्रोन के जरिए भी स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

प्रशासन की सख्त चेतावनी

जयपुर के पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने हालात को लेकर स्पष्ट किया है कि कार्रवाई के दौरान कानून-व्यवस्था बिगाड़ने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि वे किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और शहर में शांति बनाए रखने में सहयोग करें। अधिकारियों ने साफ तौर पर कहा है कि भड़काऊ सामग्री, तथ्यहीन मैसेज या वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करने से बचा जाना चाहिए। सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करने वाले असामाजिक तत्वों पर पुलिस प्रशासन द्वारा सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जेडीए के इस बड़े एक्शन के बाद अब सियासी बयानबाजी का दौर भी शुरू हो गया है। कांग्रेस विधायक रफीक खान ने प्रशासन की इस ध्वस्तीकरण कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए अपना कड़ा विरोध जताया है।

नकली नोटों के डिजाइन व एडिटिंग करने वाला मुख्य आरोपी गुलशन गिरफ्तार, गिरोह का खुलासा तेज

दौसा एजेंसी। सदर थाना पुलिस ने नकली नोट की डिजायन व एडिटिंग करने वाले मुख्य आरोपी गुलशन को गिरफ्तार कर लिया। गुलशन राजस्थान में नकली नोट सप्लाई करने का भी अपराधी है। थानाधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि कोतवाली में दर्ज नकली करेन्सी मामलें में नकली नोट की डिजायन तैयार कर छापने वाला मुख्य आरोपी गुलशन को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की गई है। दरअसल, 28 मई को कोतवाल भगवान सहाय ने 40 हजार के नकली नोटों के साथ अभियुक्त आयुष कुमार मीना को गिरफ्तार किया था। प्रकरण में अनुसंधान के दौरान विधि से संघर्षरत किशोर को निरूध कर 47 हजार रुपए की नकली भारतीय करेन्सी बरामद की गई थी। तत्पश्चात् प्रकरण में नकली करेन्सी छापने व विक्रय करने के मुख्य सरगना संतोषसिंह वाल्मिकी सहित उसके साथी विशाल उपाध्याय को फरीदाबाद, हरियाणा से गिरफ्तार किया गया था। अभियुक्तों के कब्जे से 24 लाख 37 हजार रुपये के नकली नोट कागज पर प्रिन्ट किये हुये तथा नोट छापने के लिये भारी मात्राव में कागज, पेपर, स्याही, वाटर मार्क डाई, लेपटॉप, प्रिन्टर व अन्य उपकरण जब्त किये गये थे।

मुंबई एयरपोर्ट पर डीआरआई की बड़ी कार्रवाई, 5 करोड़ का सोना जब्त; 7 गिरफ्तार

मुंबई एजेंसी। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने 'ऑपरेशन गोल्डन नेक्सस' के तहत मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय (सीएसएमआई) एयरपोर्ट पर एक बड़े अंतरराष्ट्रीय सोना तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। कार्रवाई के दौरान करीब 3.2 किलोग्राम विदेशी मूल का 24 कैरेट सोना (वैक्स फॉर्म में) बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 5 करोड़ रुपये बताई गई है। इस मामले में तीन एयरपोर्ट कर्मचारियों समेत कुल सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। डीआरआई के अनुसार, गुप्त सूचना मिली थी कि एयरपोर्ट के कुछ कर्मचारी बैंकॉक से आने वाले बांग्लादेशी और श्रीलंकाई ट्रांजिट यात्रियों से तस्करी का सोना लेकर उसे एयरपोर्ट परिसर से बाहर स्थानीय नेटवर्क तक पहुंचाने का काम कर रहे हैं। सूचना के आधार पर डीआरआई ने जाल बिछाकर कार्रवाई की और तीन एयरपोर्ट कर्मचारियों को उस समय दबोच लिया, जब वे सोने की खेप को एयरपोर्ट से बाहर निकालकर रिसीवर तक पहुंचाने की कोशिश कर रहे थे। गिरफ्तार कर्मचारियों में दो बस/कोच चालक और एक कोच मॉनिटर शामिल हैं। इसके बाद डीआरआई ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरोह से जुड़े तीन ट्रांजिट यात्रियों की भी पहचान कर उन्हें पकड़ लिया। इनमें एक बांग्लादेशी नागरिक और दो श्रीलंकाई नागरिक शामिल हैं, जो कनेक्टिंग फ्लाइट से भारत से बाहर जाने की तैयारी में थे। जांच में सामने आया कि इन यात्रियों ने सोने को अपने शरीर के अंदर छिपाकर भारत में तस्करी के जरिए लाया था। डीआरआई ने कुल 3.2 किलोग्राम 24 कैरेट सोने की धूल (वैक्स फॉर्म में) बरामद की, जिसकी कीमत लगभग 5 करोड़ रुपये आंकी गई है। इस सोने को सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के तहत जब्त कर लिया गया। इस कार्रवाई में पूरे तस्करी नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ और तीन ट्रांजिट यात्री, तीन एयरपोर्ट कर्मचारी तथा एक स्थानीय रिसीवर सहित कुल सात लोगों को गिरफ्तार किया गया। डीआरआई ने कहा कि यह सफलता ऐसे समय में मिली है जब सरकार ने विदेशी मुद्रा संरक्षण और आर्थिक सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से सोने पर सीमा शुल्क एवं करों में वृद्धि की है। यह कार्रवाई डीआरआई की मजबूत खुफिया तंत्र, त्वरित ऑपरेशन क्षमता और संगठित तस्करी गिरोहों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई का एक बड़ा उदाहरण मानी जा रही है।

पश्चिम एशिया तनाव : यूएस-ईरान जंग के बीच PAK के गृह मंत्री तीसरी बार पहुंचे तेहरान, शांति वार्ता की कोशिशें जारी

इस्लामाबाद/तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते अमेरिका-ईरान तनाव के बीच पाकिस्तान ने एक बार फिर कूटनीतिक पहल तेज कर दी है। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी शनिवार को तीसरी बार ईरान की राजधानी तेहरान पहुंचे, जहां उन्होंने क्षेत्र में शांति बहाली को लेकर महत्वपूर्ण वार्ताएं कीं।

शांति प्रयासों के तहत लगातार : मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मोहसिन नकवी का यह पिछले कुछ हफ्तों में ईरान का तीसरा दौरा है। पाकिस्तान इस समय दोनों देशों के बीच संवाद स्थापित करने और तनाव कम करने के लिए सक्रिय भूमिका निभा रहा है। तेहरान पहुंचने पर नकवी का स्वागत ईरान के गृह मंत्री एस्कंदर मोमेनी ने किया।

शीर्ष नेताओं से हुई अहम मुलाकातें: यात्रा के दौरान मोहसिन नकवी ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। इन बैठकों में क्षेत्रीय सुरक्षा, द्विपक्षीय संबंध और मौजूदा भू-राजनीतिक हालात पर चर्चा होने की संभावना है।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से हुई चर्चा: तेहरान रवाना होने से पहले मोहसिन नकवी ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से भी मुलाकात की। प्रधानमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार, इस बैठक में क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा व्यवस्था और नागरिकों की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ने इस यात्रा को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

क्षेत्रीय संकट और कूटनीतिक कोशिशें: पश्चिम एशिया में तनाव उस समय बढ़ा जब 28 फरवरी 2026 को अमेरिका और इस्राइल ने ईरान पर हमले किए, जिसके बाद ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई की थी। हालांकि अप्रैल में सीजफायर के बाद हालात कुछ हद तक शांत हुए, लेकिन तनाव अब भी बना हुआ है।

नोएडा में कूड़ा कलेक्शन को मिलेगा नया आयाम, गांवों की तंग गलियों में बाइक और ई-रिक्शा से उठेगा कचरा

नोएडा, एजेंसी। शहर में डोर-टू-डोर कचरण संग्रहण व्यवस्था को मजबूत बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। इसके लिए नोएडा प्राधिकरण ने हाल ही में एक विस्तृत सर्वे कराया है। सर्वे में सामने आया है कि पूरे शहर के सेक्टरों और गांवों से प्रभावी ढंग से कचरा एकत्र करने के लिए करीब 400 वाहनों की आवश्यकता है। जबकि वर्तमान में उपलब्ध वाहनों की संख्या इस आवश्यकता का लगभग 35 से 40 प्रतिशत ही है। प्राधिकरण सीईओ कृष्ण करुणेश ने बताया कि शहर के अधिकांश सेक्टरों में डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण की व्यवस्था अपेक्षाकृत बेहतर तरीके से संचालित हो रही है, लेकिन गांवों में स्थिति भिन्न है। वहां की कई गलियां इतनी संकरी हैं कि बड़े कचरा वाहनों का पहुंचना संभव नहीं हो पाता। इसी वजह से कई स्थानों पर नियमित कूड़ा उठान प्रभावित होता है। गांवों में कचरा संग्रहण को सुचारु बनाने के लिए बाइक और ई-रिक्शा जैसे छोटे वाहनों के उपयोग का विकल्प भी देखा जा रहा है। इन वाहनों के जरिए घरों से कचरा एकत्र कर उसे बड़े ट्रांसपोर्ट वाहनों तक पहुंचाया जा सकेगा।

नोएडा से रोजाना कितना कूड़ा निकलता है

प्राधिकरण के आंकड़ों के मुताबिक वर्तमान में नोएडा से प्रतिदिन लगभग 1000 टन (टीपीडी) ठोस कचरा निकल रहा है। शहर की बढ़ती आबादी और तेजी से हो रहे शहरी विस्तार को देखते हुए आने वाले सालों में यह मात्रा बढ़कर करीब 1200 टन प्रतिदिन तक पहुंचने का अनुमान है।

14 साल से रह रहे निवासियों के लिए खुशखबरी, यूनिटेक 'हार्मनी' को मिला फाइनल कंप्लीशन सर्टिफिकेट

नया गुरुग्राम, एजेंसी। सेक्टर-50 स्थित गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड के निकट लगभग 10.50 एकड़ क्षेत्र में विकसित यूनिटेक की रिहायशी परियोजना हार्मनी को हरियाणा के टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग (डीटीसीपी) द्वारा फाइनल कम्पलीशन सर्टिफिकेट जारी कर दिया गया है। इसके साथ ही हार्मनी यूनिटेक की पहली और अब तक की एकमात्र ग्रुप हाउसिंग सोसायटी बन गई है जिसे फाइनल कम्पलीशन सर्टिफिकेट प्राप्त हुआ है। विभाग ने 4 जून को जारी पत्र में परियोजना को विभिन्न नियमों एवं शर्तों के अनुरूप पाते हुए यह प्रमाणपत्र जारी किया है। वर्ष 2006 में इस परियोजना का लाइसेंस जारी हुआ था और

पिछले लगभग 14 वर्षों से यहां करीब 400 परिवार रह रहे हैं। वर्षों के इंतजार के बाद फाइनल कम्पलीशन सर्टिफिकेट मिलना निवासियों के लिए बड़ी उपलब्धि है। डीटीसीपी द्वारा जारी फाइनल कम्पलीशन सर्टिफिकेट में स्पष्ट किया गया है कि कालोनी के विकास कार्य, सड़कें, जलापूर्ति, सीवरेज और अन्य बुनियादी सुविधाएं निर्धारित नियमों के अनुरूप हैं।

साथ ही कालोनाइजर को सार्वजनिक सुविधाओं के रखरखाव और संचालन से संबंधित निर्धारित शर्तों का पालन भी करना होगा। जानकारी के अनुसार, फाइनल कम्पलीशन सर्टिफिकेट मिलने के बाद अब यूनिटेक प्रबंधन सोसायटी के रखरखाव और संचालन की जिम्मेदारी रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) को सौंपने की तैयारी कर रहा है। इससे भविष्य में सोसायटी के प्रबंधन और रखरखाव में निवासियों की भागीदारी और अधिक बढ़ेगी। यूनिटेक प्रबंधन के द्वारा लगातार समन्वय के चलते यह कार्य संभव हो पाया है।

हम लंबे समय से विभिन्न लंबित परियोजनाओं को आगे बढ़ाने और उन्हें नियामकीय प्रक्रियाओं के अनुरूप पूरा करने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। हार्मनी को फाइनल कम्पलीशन सर्टिफिकेट मिलना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह केवल कंपनी के लिए ही नहीं, बल्कि उन सैकड़ों परिवारों के लिए भी खुशी का अवसर है जो वर्षों से यहां रह रहे हैं।

फिलीपींस में भूंकप से दहशत: झटकों से पलभर में ढही इमारतें; चार की मौत, 200+ घायल

तस्वीरों में दिखा भायवह मंजर

मनीला, एजेंसी। फिलीपींस में सोमवार को आए 8.1 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने भारी तबाही मचा दी। दक्षिणी फिलीपींस के मिंडानाओ द्वीप के पास आए इस भूकंप के बाद कई इमारतें ढह गई और पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 200 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीरों और वीडियो में इमारतों को गिरते और लोग जान बचाकर भागते दिखाई दिए। भूकंप के बाद सुनामी का अलर्ट भी जारी कर दिया गया। भूकंप के तेज झटकों के बाद लोग घरों, स्कूलों और अस्पतालों से बाहर निकलकर सड़कों पर हा था कि दुनिया के किसी भी हिस्से में आतंकवाद को पनपने नहीं दिया जाएगा और आतंकियों के सुरक्षित ठिकानों को खत्म करना जरूरी है।

आतंकी संगठनों से मिलकर निपटने पर दिया गया जोर: संयुक्त बयान में अल-कायदा, आईएसआईएस, जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा जैसे संगठनों से मिलकर निपटने पर जोर दिया गया। साथ ही 26/11 मुंबई हमले और अफगानिस्तान के एबी गेट बम धमाके जैसी घटनाओं को दोबारा रोकने के लिए सहयोग बढ़ाने की बात कही गई।

दोनों देशों ने कई अहम मुद्दों पर जताई थी सहमति: अमेरिका ने 2008 मुंबई हमले के आरोपी तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण का भी एलान किया था। इसके अलावा भारत और अमेरिका ने पाकिस्तान से भी मांग की थी कि वह 26/11 मुंबई हमला और 2016 पठानकोट एयरबेस हमले के दोषियों के खिलाफ जल्द कार्रवाई करे और अपनी जमीन का इस्तेमाल आतंकवाद के लिए न होने दे। दोनों देशों ने यह भी तय किया कि वे मिलकर ऐसे खतरनाक हथियारों के फैलाव को रोकेंगे, ताकि ये आतंकियों या गैर-राज्य तत्वों के हाथ न लग सकें।

तेल आपूर्ति संकट के बीच बड़ा कदम, हर दिन 1.88 लाख बैरल तेल उत्पादन बढ़ाएंगे ओपेक प्लस देश

मस्कट, एजेंसी। आपूर्ति संकट और ऊंची कीमतों के बीच पेट्रोलियम उत्पादकों के संगठन ओपेक प्लस के सात देशों ने जुलाई में लगातार दूसरे महीने कच्चे तेल का उत्पादन 1.88 लाख बैरल प्रतिदिन (बीपीडी) बढ़ाने की घोषणा की है। इससे पहले इन देशों ने मई में जून के लिए भी 1.88 लाख बीपीडी उत्पादन बढ़ाने पर सहमति जताई थी। तेल उत्पादन बढ़ाने का यह फैसला रविवार को सऊदी अरब, रूस, इराक, कुवैत, कजाखस्तान, अल्जीरिया और ओमान के बीच हुई वर्चुअल बैठक में लिया गया। यह कदम आपूर्ति में मर्जी से की गई कटौती को धीरे-धीरे कम करने की ओपेक समूह की कोशिशों का हिस्सा है। फैसले की जानकारी देते हुए ओपेक ने कहा, सात देशों ने अप्रैल, 2023 में घोषित स्वेच्छा से किए गए बदलावों के तहत 1.88 लाख बीपीडी के उत्पादन एडजस्टमेंट को लागू करने का निर्णय लिया है। हालांकि, इन बदलावों को बाजार की बदलती स्थितियों के आधार पर धीरे-धीरे आंशिक या पूरी तरह से वापस लिया जा सकता है।

शीर्ष नेतृत्व में फूट की अटकलों को ईरान ने किया खारिज
उपराष्ट्रपति बोले- सीजफायर प्रस्ताव को लेकर मतभेद नही

तेहरान, एजेंसी। हाल ही में अमेरिकी मीडिया ने दावा किया कि ईरान की सेना और शीर्ष नेतृत्व में सीजफायर मसौदे को लेकर भारी मतभेद है। अब देश के उप राष्ट्रपति मोहम्मद रेजा आरेफ ने इसे सिरे से नकारा है। उन्होंने इसे अफवाह करार दिया है। ईरान के प्रथम उपराष्ट्रपति मोहम्मद रेजा आरेफ ने इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) बातचीत में कहा कि देश के सभी वरिष्ठ अधिकारी वार्ता प्रस्तावों को लेकर पूरी तरह एकजुट हैं और बातचीत के मसौदे या प्रस्तावों पर किसी भी तरह के मतभेद की संभावना को खारिज किया है।

'प्रस्तावों को लेकर अधिकारियों के बीच 'कोई मतभेद नहीं': आईआरएनए के अनुसार, ईरानी सीमा शुल्क प्रशासन के दौरे के दौरान आरिफ ने कहा कि अमेरिका के साथ वार्ताओं में तेहरान ने एक स्पष्ट और समन्वित रणनीति अपनाई है। उन्होंने कहा, 'इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ने वार्ताओं में एक निश्चित रणनीति अपनाई है और सभी अधिकारियों ने पूर्ण समन्वय के साथ उसका पालन किया है। आरिफ ने आगे कहा कि वार्ता के पाठ और प्रस्तावों को लेकर अधिकारियों के बीच 'कोई मतभेद नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान युद्ध और पिछले वर्ष 12-दिवसीय संघर्ष से ईरान ने संकट प्रबंधन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण अनुभव और सबक हासिल किए हैं। आरिफ के अनुसार, इन अनुभवों ने देश की निर्णय-प्रक्रिया और राष्ट्रीय रणनीतियों को और अधिक मजबूत बनाने में मदद की है। आरिफ का यह बयान ईरान और अमेरिका के बीच चल रही अप्रत्यक्ष वार्ताओं के संदर्भ में आया है, जिनका उद्देश्य देश के खिलाफ अमेरिका-इजरायल द्वारा छेड़े गए युद्ध को स्थायी रूप से समाप्त करना है।

संघर्ष 28 फरवरी को अमेरिका-इजरायल के संयुक्त हवाई हमले से शुरू हुआ था। आरिफ ने 'दो थोपे गए युद्धों' के प्रबंधन में ईरान के अनुभव का उल्लेख करते हुए कहा कि देश ने संकट प्रबंधन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सबक सीखे हैं। उन्होंने कहा कि युद्धकाल के दौरान कई नौकरशाही प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया और सरकारी अधिकारों का उपयोग कर आयात, माल की उतराई तथा सीमा शुल्क निकासी की प्रक्रिया को तेज किया गया। इसके परिणामस्वरूप सीमा शुल्क विभाग नई व्यवस्थाओं के माध्यम से प्रभावी ढंग से काम करने में सफल रहा। उपराष्ट्रपति ने देशभर के सभी सीमा शुल्क कार्यालयों और बंदरगाहों की क्षमता बढ़ाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। साथ ही उन्होंने उत्तर-दक्षिण और पूर्व-पश्चिम परिवहन गलियारों को शीघ्र पूरा करने का आह्वान किया। आरिफ ने दावा किया कि पड़ोसी देशों के साथ संबंध मजबूत करने की ईरान की रणनीति को रमजान के बाद और अधिक गति मिली है। उन्होंने राष्ट्रीय विकास योजनाओं में क्षेत्रीय अवसरों तथा उन देशों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई, जो ईरान के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक प्रभाव क्षेत्र का हिस्सा माने जाते हैं।

पत्रकारों की सुरक्षा, संगठन विस्तार और कल्याण पर मंथन

पत्रकार कल्याण परिषद की संभागीय बैठक में संगठन को मजबूत बनाने पर बनी रणनीति, वरिष्ठ पत्रकारों का हुआ

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल में रविवार को आयोजित पत्रकार कल्याण परिषद की संभागीय बैठक पत्रकारों के हितों, संगठन विस्तार और वर्तमान समय में मीडिया जगत के सामने खड़ी चुनौतियों पर गंभीर मंथन का मंच बनी उच्च विश्राम गृह में आयोजित इस महत्वपूर्ण बैठक में शहडोल संभाग के साथ-साथ सतना, उमरिया और अनूपपुर जिलों से पहुंचे पदाधिकारियों एवं पत्रकारों ने संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत बनाने, पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा उनके सामाजिक और व्यावसायिक हितों की रक्षा के लिए व्यापक चर्चा की कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ पत्रकार विश्वास हलवाई को मध्य प्रदेश शासन से अधिमान्यता प्राप्त होने पर विशेष सम्मान प्रदान किया गया वहीं संगठन में नए सदस्यों का स्वागत कर विस्तार अभियान को गति देने का संदेश दिया गया बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष बेदांती त्रिपाठी ने बदलते मीडिया परिवेश में पत्रकारों के सामने उत्पन्न हो रही चुनौतियों और उनसे निपटने के उपायों पर विस्तार से अपने विचार रखे। पत्रकार कल्याण परिषद की संभागीय बैठक में संगठन विस्तार को लेकर बना रोडमैप पत्रकारिता केवल एक पेशा नहीं बल्कि समाज और लोकतंत्र के बीच संवाद का सबसे सशक्त माध्यम है। बदलते समय में पत्रकारों के समक्ष अनेक नई चुनौतियां खड़ी हुई हैं। ऐसे समय में पत्रकारों के हितों की रक्षा, उनके अधिकारों के संरक्षण और संगठनात्मक मजबूती को लेकर पत्रकार कल्याण परिषद द्वारा शहडोल में आयोजित संभागीय बैठक विशेष रूप से महत्वपूर्ण साबित हुई। रविवार को प्रातः 11 बजे उच्च विश्राम गृह शहडोल में पत्रकार कल्याण परिषद की संभागीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में शहडोल संभाग के विभिन्न जिलों के पत्रकारों एवं संगठन पदाधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के स्वागत और सम्मान के साथ हुई। सतना, अनूपपुर और उमरिया से आए पदाधिकारियों का शाल एवं श्रीफल भेंट कर अभिनंदन किया गया। बैठक का प्रमुख उद्देश्य संगठन विस्तार कार्यक्रम-2026 को लेकर रणनीति तैयार करना तथा पत्रकारों की समस्याओं और उनके समाधान पर विचार-विमर्श करना था। उपस्थित पदाधिकारियों ने संगठन को गांव, कस्बों और जिला स्तर तक अधिक प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न सुझाव प्रस्तुत किए।

संगठन को मजबूत बनाने पर दिया गया विशेष जोर: बैठक में वक्ताओं ने कहा कि पत्रकार कल्याण परिषद का उद्देश्य केवल पत्रकारों को एक मंच पर लाना नहीं है बल्कि उनके अधिकारों, सुरक्षा और सामाजिक सम्मान की रक्षा करना भी है। वर्तमान समय में पत्रकारों को अनेक प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है ऐसे में एक मजबूत संगठन ही पत्रकारों की आवाज को प्रभावी ढंग से शासन और प्रशासन तक पहुंचा सकता है। पदाधिकारियों ने सुझाव दिया कि संगठन की सदस्यता अभियान को व्यापक स्तर पर चलाया जाए जिससे अधिक से अधिक पत्रकार परिषद से जुड़ सकें। इसके साथ ही जिला और ब्लॉक स्तर पर नियमित बैठकें आयोजित करने पत्रकारों के प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाने तथा पत्रकार सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर विशेष कार्ययोजना बनाने पर भी चर्चा की गई।

नए सदस्यों का स्वागत, विस्तार अभियान को मिली गति: पत्रकार कल्याण परिषद द्वारा संगठन विस्तार अभियान के अंतर्गत नए सदस्यों को भी परिषद से जोड़ा गया बैठक में श्रद्धा शर्मा का पुष्पगुच्छ भेंट कर तथा हर्षित द्विवेदी का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया संगठन पदाधिकारियों ने कहा कि युवाओं और नई पीढ़ी के पत्रकारों की भागीदारी से संगठन को नई ऊर्जा और दिशा प्राप्त होगी परिषद का प्रयास है कि अनुभवी और युवा पत्रकारों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो जिससे पत्रकारिता के मूल्यों और आदर्शों को मजबूती मिल सके।

सांसद हिमाद्रि सिंह से की सौजन्य मुलाकात: बैठक के उपरांत पत्रकार कल्याण परिषद के प्रतिनिधिमंडल ने शहडोल सांसद हिमाद्रि सिंह से सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष बेदांती त्रिपाठी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य महेश तिवारी, संभागीय अध्यक्ष विजय प्रकाश गौतम, जिला अध्यक्ष नरेन्द्र तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार विश्वाश हलवाई, संभागीय उपाध्यक्ष मनोज गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

निपानिया की 108 एंबुलेंस खराब, मरीज निजी वाहनों से अस्पताल पहुंचने को मजबूर ग्रामीणों ने की तत्काल सुधार की मांग

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। ब्यौहारी क्षेत्र के निपानिया में संचालित 108 एंबुलेंस सेवा के खराब हो जाने से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण मानी जाने वाली यह एंबुलेंस पिछले कई दिनों से बंद पड़ी है जिसके कारण क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्था प्रभावित हो गई है स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार खराब एंबुलेंस ब्यौहारी स्थित एक पेट्रोल पंप परिसर में खड़ी है और तकनीकी खराबी के चलते इसका संचालन पूरी तरह ठप हो गया है अब तक इसे ठीक कर पुनः सेवा में नहीं लाया जा सका है जिससे दुर्घटना, प्रसव पीड़ा तथा गंभीर बीमारियों से ग्रस्त मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाने में कठिनाई हो रही है। एंबुलेंस सेवा बाधित होने के कारण ग्रामीणों को मजबूरी में निजी वाहनों, ऑटो रिक्शा या अन्य साधनों का सहारा लेना पड़ रहा है इससे न केवल मरीजों को अतिरिक्त समय लग रहा है बल्कि आर्थिक बोझ भी बढ़ रहा है ग्रामीणों का कहना है कि दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले अधिकतर लोग आर्थिक रूप से कमजोर हैं ऐसे में निजी परिवहन की व्यवस्था करना उनके लिए कठिन होता है ग्रामीणों ने बताया कि 108 एंबुलेंस सेवा आपात स्थिति में जीवन रक्षक भूमिका निभाती है लेकिन इसके खराब होने से मरीजों की जान जोखिम में पड़ रही है कई बार गंभीर स्थिति वाले मरीजों को समय पर उपचार नहीं मिल पाने की वजह से स्थिति और बिगड़ जाती है। स्थानीय लोगों ने यह भी आरोप लगाया है कि जिले में संचालित कई 108 एंबुलेंसें समय-समय पर तकनीकी खराबी का शिकार होती रहती हैं नियमित रखरखाव और समय पर मरम्मत न होने के कारण यह समस्या बार-बार सामने आती है जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग से मांग की है कि निपानिया की खराब एंबुलेंस को तत्काल दुरुस्त कर पुनः सेवा में बहाल किया जाए ।साथ ही उन्होंने जिले में संचालित सभी 108 एंबुलेंसों की तकनीकी जांच कर नियमित रखरखाव सुनिश्चित करने की भी अपील की है ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो और आपातकालीन मरीजों को समय पर स्वास्थ्य सुविधा मिल सके। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि एंबुलेंस सेवा समय पर उपलब्ध हो तो कई मरीजों की जान बचाई जा सकती है इसलिए इस ओर तत्काल ध्यान दिया जाना आवश्यक है।

कलाकारों को शोषण-मुक्त मंच देने हिन्दू धर्म परिषद की पहल, वर्षभर सांस्कृतिक आयोजनों की योजना

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विंध्य की सांस्कृतिक राजधानी रीवा में कलाकारों को एक शोषण-मुक्त और खुला मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से हिन्दू धर्म परिषद ने एक दीर्घकालीन योजना तैयार की है परिषद का उद्देश्य स्थानीय प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना और उन्हें बिना किसी आर्थिक बाधा के अपनी कला प्रस्तुत करने का अवसर देना है परिषद के संस्थापक नारायण डिगवानी ने बताया कि रीवा नगर ऐतिहासिक रूप से कला और साहित्य का प्रमुख केंद्र रहा है इस भूमि पर तानसेन, बाणभट्ट और कालिदास जैसी विभूतियों ने अपनी प्रतिभा से भारतीय संस्कृति को समृद्ध किया है इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए परिषद द्वारा कलाकारों को एक सशक्त मंच देने का प्रयास किया जा रहा है उन्होंने बताया कि धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से वर्षभर विभिन्न त्योहारों पर कलाकारों को अवसर प्रदान किए जाएंगे इस वर्ष शिवरात्रि, होली और नवरात्रि जैसे पर्वों पर सफल आयोजन किए जा चुके हैं जिनमें स्थानीय कलाकारों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। आने वाले समय में जन्माष्टमी, गणेशोत्सव, नवदुर्गा एवं दीपावली के अवसर पर भी भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाने की योजना है परिषद का कहना है कि इन आयोजनों में नृत्य, गायन एवं अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के लिए निःशुल्क पंजीयन की व्यवस्था की जाएगी जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के कलाकार भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें संस्था का मानना है कि वर्तमान में कई आयोजनों में भारी पंजीयन शुल्क लिए जाने के कारण कई प्रतिभाशाली कलाकार मंच से वंचित रह जाते हैं जिससे उनकी प्रतिभा को उचित अवसर नहीं मिल पाता परिषद के पदाधिकारियों ने यह भी बताया कि स्कूलों और कॉलेजों में आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी प्रतिभाओं को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है लेकिन कई बार प्रशासनिक उदासीनता के कारण युवाओं को पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाते इसी कमी को दूर करने के लिए परिषद लगातार प्रयासरत है संस्था के अध्यक्ष ऋषिशंकर मिश्रा, संयोजक सुमित मांजवानी, सह-संयोजक उमेश कुशवाहा, महिला अध्यक्ष ममता नरेन्द्र सिंह तथा युवा अध्यक्ष विकास सेन आर्यन ने संयुक्त रूप से कहा कि परिषद का मुख्य उद्देश्य हर वर्ग के कलाकारों को समान अवसर प्रदान करना है।

9 से 14 जून तक जिलेभर में सांसद जनार्दन मिश्रा की 'प्रगति पथ यात्रा', स्वच्छता, जनसंपर्क और वृक्षारोपण कार्यक्रमों में होंगे शामिल

मीडिया ऑडीटर,रीवा (निप्र)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा केंद्र सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने एवं संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने के उद्देश्य से 9 जून से 14 जून तक जिलेभर में विशेष जनसंपर्क अभियान, स्वच्छता कार्यक्रम एवं वृक्षारोपण अभियान आयोजित किए जाएंगे इस दौरान रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में आयोजित कार्यक्रमों में सहभागिता करेंगे भाजपा जिला संगठन द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार सांसद मिश्रा 9 जून को सुबह 10:30 बजे से दोपहर 12 बजे तक सेमरिया मंडल में स्वच्छता कार्यक्रम एवं प्रगति पथ यात्रा में शामिल होंगे इसके बाद दोपहर 12:30 बजे से 2 बजे तक शाहपुर मंडल में विशेष जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा वहीं अपराह्न 3 बजे से 4:30 बजे तक बनकुइया मंडल में विशेष जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित होगा दिन के अंतिम चरण में शाम 5 बजे से 7 बजे तक मनकहरी मंडल में वृक्षारोपण एवं प्रगति पथ यात्रा का आयोजन किया जाएगा भाजपा नेताओं ने बताया कि यह अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। 7 जून 2026 को एनडीए सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिलेभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं पार्टी का मानना है कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में गरीब, किसान, महिला एवं वंचित वर्गों के कल्याण के लिए अनेक जनहितकारी योजनाएं लागू की गई हैं जिनका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा है भाजपा के अनुसार 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने की दिशा में केंद्र सरकार निरंतर कार्य कर रही है इसी क्रम में संगठन द्वारा जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं को जनता के बीच जाकर सरकार की उपलब्धियों की जानकारी देने के निर्देश दिए गए हैं राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन एवं प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के निर्देश तथा जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता के मार्गदर्शन में जिलेभर में यह अभियान संचालित किया जा रहा है जिला टोली में प्रबोध व्यास, डॉ. अजय सिंह, श्रीमती मनीषा पाठक, श्रीमती संध्या कोल एवं रविराज विश्वकर्मा शामिल हैं कार्यक्रमों में सेमरिया मंडल अध्यक्ष अरुणेंद्र तिवारी, शाहपुर मंडल अध्यक्ष दिलीप सिंह, बनकुइया मंडल अध्यक्ष शेषमणि पांडेय तथा मनकहरी मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह बघेल सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे।

भाजपा ने चलाया वृक्षारोपण एवं स्वच्छता अभियान, बनिया तालाब क्षेत्र में लगाए पीपल-बरगद के पौधे

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से वार्ड क्रमांक 2 स्थित बनिया तालाब के समीप अटल मंडल क्षेत्र में वृक्षारोपण एवं सफाई-स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम के दौरान पीपल एवं बरगद जैसे पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण वृक्षों का रोपण किया गया तथा आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाकर साफ-सफाई की गई। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार गुप्ता मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ नगर निगम अध्यक्ष व्यंकटेश पांडे, वरिष्ठ भाजपा नेता प्रबोध व्यास, मंडल अध्यक्ष गौरव पांडे, मंडल प्रभारी शरद साहू, मती साधना गुप्ता, मंडल महामंत्री कृष्ण गुप्त एडवोकेट, डॉ. सी.एल. रावत, पूर्व मंडल अध्यक्ष शेखर सचदेवा, मंडल उपाध्यक्ष दिलीप तिवारी, शिवाकर कुशवाहा, मंत्री मधु द्विवेदी, पूनम मिश्रा, अखिलेश शुक्ला, अशोक वर्मा, बुद्धसेन नापित, प्रभात दीक्षित एवं अमित द्विवेदी सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार गुप्ता ने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित एवं स्वच्छ पर्यावरण सुनिश्चित करने का संकल्प है उन्होंने सभी नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने का आग्रह किया नगर निगम अध्यक्ष व्यंकटेश पांडे ने कहा कि स्वच्छता एवं हरियाली दोनों ही स्वस्थ समाज की पहचान हैं और जनसहभागिता से ही इन अभियानों को सफल बनाया जा सकता है कार्यक्रम में मती चंद्रकली शुक्ला, रितेश द्विवेदी, रमेश राठौर, आनंद त्रिपाठी, दिव्यांशु, अरविंद झंझोत, आशा गुप्ता, आशीष पांडे, प्रतिमा मिश्रा सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों एवं मोहल्लेवासियों ने सहभागिता निभाई। इसके अतिरिक्त संतोष मिश्रा, डॉ. ज्ञानेंद्र सिंह तोमर, रविकांत पांडे, जानवी त्रिपाठी, नीलू भैया, सत्यनारायण कुशवाह, निवास परोहा, हनुमान प्रसाद शुक्ला, सौरव मिश्रा भी कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित जनों ने पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रम निरंतर आयोजित करने की बात कही।

भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) का किसान सम्मेलन संपन्न, खाद-बिजली, एमएसपी और भूमि समस्याओं पर हुई विस्तृत चर्चा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। ग्राम सांव (खड्डा मोड़) में भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) द्वारा किसान सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्र के किसानों की विभिन्न ज्वलंत एवं तात्कालिक समस्याओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई सम्मेलन में बड़ी संख्या में किसानों एवं संगठन के पदाधिकारियों ने भाग लेकर कृषि से जुड़े मुद्दों पर अपने विचार रखे सम्मेलन के दौरान मुख्य रूप से किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने ग्रामीण क्षेत्रों में जर्जर एवं खराब विद्युत तारों को तत्काल बदलने तथा गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग उठाई गई। साथ ही स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के अनुरूप कृषि उपज के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी लागू करने तथा अधिग्रहित भूमि के नक्शों के आवश्यक तरमीम एवं अभिलेखीय सुधार जैसे विषयों पर भी गंभीर चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान में किसानों को खाद, सिंचाई, बिजली व्यवस्था और भूमि अभिलेखों से संबंधित कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है इन समस्याओं के समाधान के लिए शासन एवं प्रशासन को त्वरित और प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है ताकि कृषि कार्य बाधित न हो और किसानों को वास्तविक राहत मिल सके। सम्मेलन में उपस्थित किसानों ने भी अपनी समस्याएं और सुझाव साझा किए तथा संगठन के माध्यम से इन्हें शासन स्तर तक पहुंचाने का आग्रह किया इस दौरान किसानों के हितों की रक्षा और उनके अधिकारों के लिए निरंतर संघर्ष करने का सामूहिक संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के प्रदेश महासचिव उमेश पटेल, प्रदेश प्रवक्ता विश्वनाथ चोटीवाला, संभागीय अध्यक्ष हरिहर पटेल, जिलाध्यक्ष सुग्रीव सिंह, मऊगंज जिलाध्यक्ष हीरालाल पटेल, जिला उपाध्यक्ष घनश्याम सिंह, मऊगंज जिला उपाध्यक्ष मोतीलाल पटेल, जिला महासचिव वीरभद्र सिंह, जिला युवा अध्यक्ष दिनेश सिंह, तहसील

अध्यक्ष सेमरिया शिवमंगल सिंह, तहसील प्रवक्ता अशोक कुशवाहा, सेमरिया नगर प्रवक्ता मीरा सेन, कोषाध्यक्ष विजय पटेल, मीडिया प्रभारी तेजभान सिंह सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त वरिष्ठ समाजसेवी रामजी सिंह, महेंद्र सिंह बधरी, विद्याविलास पाण्डेय, गीतांग चतुर्वेदी (खड्डा), सुशीला सिंह (खड्डा), अर्जुन सिंह (अमवा), चंद्रभान सिंह (बधरी), डी.एल. साकेत, वीरेंद्र बौद्ध एवं भूपेन्द्र सिंह सहित बड़ी संख्या में गणमान्यजन भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

कलेक्टर विकास मिश्रा की समय-सीमा बैठक में मानसून पूर्व तैयारियों पर जोर, शिकायतों के त्वरित निराकरण के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा बैठक में कलेक्टर विकास मिश्रा ने जिले के विभिन्न विभागों की योजनाओं, लंबित प्रकरणों तथा आगामी गतिविधियों की विस्तार से समीक्षा की बैठक में स्थानांतरण नीति, मानसून पूर्व तैयारियां, पेयजल व्यवस्था, छात्र हितग्राही योजनाएं, जनकल्याण शिविरों का आयोजन विद्यालयों एवं छात्रावासों की तैयारियां तथा सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई कलेक्टर ने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देश दिए कि राज्य शासन की स्थानांतरण नीति के अंतर्गत पात्र अधिकारियों एवं कर्मचारियों के स्थानांतरण प्रस्ताव निर्धारित समय-सीमा में

तैयार कर प्रस्तुत किए जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी प्रस्ताव नियमों एवं तथ्यों के आधार पर ही बनाए जाएं, किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। आगामी मानसून को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर ने बाढ़ एवं आपदा प्रबंधन की तैयारियों की समीक्षा की उन्होंने नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में नालों और नालियों की सफाई अभियान चलाकर शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए साथ ही तालाबों, नालों एवं अन्य जल संरचनाओं के किनारों पर किए गए अतिक्रमणों की पहचान कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा ताकि जल निकासी बाधित न हो और बाढ़ जैसी स्थितियों से प्रभावी रूप से निपटा जा सके। पेयजल व्यवस्था की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने, जल स्रोतों का नियमित परीक्षण करने तथा क्लोरीनेशन की व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को वर्षा ऋतु में संभावित जलजनित बीमारियों की रोकथाम हेतु समय पर सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने को कहा। बैठक में छात्र हितग्राही योजनाओं एवं अपार आईडी निर्माण अभियान की भी समीक्षा की गई कलेक्टर ने निर्देश दिए कि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के जिन विद्यार्थियों के जाति प्रमाण पत्र अभी तक नहीं बने हैं उनके प्रमाण पत्र 30 जून 2026 तक अनिवार्य रूप से तैयार किए जाएं उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति एवं अन्य योजनाओं का लाभ सभी पात्र विद्यार्थियों तक समय पर पहुंचे इसके लिए विद्यालय स्तर पर विशेष अभियान चलाया जाए। उन्होंने यह भी बताया कि 12 से 18 जून 2026 के बीच जिले के सभी विकासखंड एवं नगरीय निकाय मुख्यालयों में तीन दिवसीय जनकल्याण शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में शासन की योजनाओं की जानकारी पात्र हितग्राहियों का पंजीयन, समस्याओं का निराकरण तथा लाभ वितरण किया जाएगा इसके लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति कर प्रभावी समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। नए शैक्षणिक सत्र के मद्देनजर कलेक्टर ने विद्यालयों एवं छात्रावासों की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत, शौचालय, भोजन, सुरक्षा एवं आवास जैसी मूलभूत सुविधाओं को समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए गौशालाओं के संचालन की समीक्षा करते हुए उन्होंने नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने तथा गौवंश के लिए चारा, पानी एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता बनाए रखने को कहा। अंत में कलेक्टर ने ''कलेक्टर समाधान'' कार्यक्रम एवं सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों की समीक्षा की उन्होंने अधिकारियों को शिकायतकर्ताओं से सीधे संवाद कर गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बिना अनुमति स्थापित मूर्ति के 100 मीटर क्षेत्र को प्रतिबंधित घोषित, कलेक्टर ने जारी किया आदेश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी विकास मिश्रा ने कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस के सामने बिना अनुमति स्थापित की गई मूर्ति के आसपास 100 मीटर की परिधि को प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया है। यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) 2023 की धारा 163 के अंतर्गत जारी किया गया है जारी आदेश में उल्लेख किया गया है कि प्रशासन के संज्ञान में आया है कि पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस के सामने कुछ व्यक्तियों द्वारा बिना सक्षम अनुमति एवं पूर्व सूचना के मूर्ति की स्थापना की गई है इस स्थिति के कारण क्षेत्र में कानून व्यवस्था प्रभावित होने तथा शांति भंग होने की आशंका उत्पन्न हो गई है परिस्थितियों का परीक्षण करने के बाद जिला दण्डाधिकारी ने जनहित एवं लोक व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी करना आवश्यक माना। आदेश के अनुसार मूर्ति स्थापना स्थल के चारों ओर 100 मीटर की परिधि को तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया गया है इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार की ऐसी गतिविधि, जिससे कानून एवं शांति व्यवस्था प्रभावित होने की संभावना हो उस पर प्रशासन की विशेष निगरानी रहेगी। जिला दण्डाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि यह आदेश सर्वसाधारण के हित एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से पारित किया गया है चूंकि संबंधित सभी व्यक्तियों को पूर्व सूचना देकर सुनवाई करना व्यवहारिक रूप से संभव नहीं था इसलिए यह आदेश एकपक्षीय रूप से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163(2) के तहत जारी किया गया है।

प्रतिरोध के तेवर :कॉकरोच पार्टी के मुद्दों पर विचार की जरूरत

मुख्य न्यायाधीश की कॉकरोच वाली टिप्पणी के प्रतिरोध में व्यंग्यात्मक रूप में अस्तित्व में आई कॉकरोच जनता पार्टी ने आखिरकार आभासी दुनिया से निकलकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर दस्तक दे ही दी। पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके के दिल्ली पहुंचने और हजारों युवाओं की भागीदारी के बाद शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग के साथ प्रदर्शन समाप्त हो गया। सीजेपी का आरोप है कि नीट परीक्षा रद्द होने के बाद कई छात्रों ने आत्महत्या की है। पिछले दिनों सीजेआई द्वारा 'फेक डिग्री वाले युवाओं' की तुलना कॉकरोच से करने के बाद ऑनलाइन व्यंग्यात्मक आंदोलन के जमीन पर उतरने और विपक्षी दलों के समर्थन ने निश्चय ही सरकार की चिंता बढ़ाई है। ऑनलाइन मूवमेंट को लाखों युवाओं का समर्थन मिलने के बाद सरकार ने पहले सख्ती भी दिखायी थी। जंतर-मंतर के प्रदर्शन के बाद अभिजीत दीपके ने सरकार को सात दिन का समय देने की बात कही। साथ ही इसे महज एक ट्रेलर बताया है। उनकी दलील थी कि यह पार्टी योजनाबद्ध नहीं, स्वतःस्फूर्त पार्टी है और सरकार से नाराज हर छात्र की आवाज बनेगी। पार्टी ने देश में युवाओं को रोजगार न मिलने का आरोप भी लगाया। पार्टी का मानना है कि सरकार शिक्षा व्यवस्था सुधारने में तो नाकाम रही ही है, लेकिन उन परीक्षाओं को भी पारदर्शी ढंग से आयोजित नहीं कर पा रही है, जो देश के लाखों युवाओं का भविष्य तय करते हैं। यह भी कि व्यवस्था की विफलता से लाखों युवाओं के सपने टूटे हैं, जो अब कॉकरोच को प्रतिरोध का प्रतीक बनाकर विरोध जता रहे हैं।

संपादकीय

राजनीति के पंडित जंतर-मंतर में सीजेपी को प्रदर्शन के लिये अनुमति दिए जाने पर हैरानी जता रहे हैं। उनका मानना है कि पड़ोसी देशों में जेन ज़ी पर हुई सख्ती के बाद उग्र होने वाले आंदोलन सरकार को याद आए हैं, यही वजह है कि उसने कुछ उदारता बरती है। साथ ही यह भी कोशिश है कि देश के लाखों परिवारों से जुड़ा पेपर लीक का गुस्सा किसी तरह शांत हो जाए। यूं तो विषम आर्थिक परिस्थितियों में बेरोजगारी तो बढ़ी है, साथ ही रोजगार देने वाली व्यवस्था की विफलता देश के युवाओं को अशांत कर रही है। वे अपने भविष्य को लेकर खासे चिंतित हैं। इसीलिए शिक्षा और रोजगार देने वाली व्यवस्था का मुद्दा युवाओं को प्रभावित कर रहा है। विपक्षी राजनीतिक दल आरोप लगा रहे हैं कि यह आंदोलन युवा अशांति,जवाबदेही और असहमति की स्वतंत्रता का प्रतीक बन रहा है। तभी युवाओं ने हेय दृष्टि से देखे जाने वाले जीव कॉकरोच यानी तिलचट्टे को जीवटता के प्रतीक के रूप में परिभाषित किया है। यह बताने की कोशिश कि मुश्किल हालात में भी वे अपनी बात को रखते रहेंगे। युवाओं का मानना है कि पार्टी के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अंकुश लगाना डिजिटल लोकतंत्र को नियंत्रित करने का प्रयास है।

अतीत की धड़कन, भविष्य की दिशाः अभिलेखागार

ऐतिहासिक दस्तावेजों और अभिलेखों के संरक्षण के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 9 जून को अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का आयोजन अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार परिषद (आईसीए) द्वारा किया जाता है, जो विश्वभर में अभिलेखों के संरक्षण और प्रबंधन के क्षेत्र में प्रमुख संस्था है।इस दिवस का इतिहास भी अत्यंत रोचक है। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) के तत्वावधान में 9 जून 1948 को अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार परिषद (आईसीए) की स्थापना हुई थी। बाद में वर्ष 2007 में आईसीए की आम सभा में यह निर्णय लिया गया कि परिषद के स्थापना दिवस को ही प्रतिवर्ष अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इसके परिणामस्वरूप पहला आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार दिवस 9 जून 2008 को आयोजित किया गया। इस दिवस का मूल उद्देश्य इतिहास, संस्कृति और महत्वपूर्ण दस्तावेजों को सुरक्षित रखने वाले अभिलेखागारों के महत्व को रेखांकित करना है। वास्तव में, अभिलेखागार केवल पुराने कागजों का संग्रह नहीं हैं, बल्कि वे किसी समाज, राष्ट्र और सभ्यता की सामूहिक स्मृति होते हैं। वे हमारी पहचान, अधिकारों और विरासत के संरक्षक हैं तथा अतीत, वर्तमान और भविष्य के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करते हैं।

बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि दुनिया का सबसे प्राचीन अभिलेख मिट्टी की पट्टियों पर अंकित व्यापारिक लेन-देन का विवरण माना जाता है। समय के साथ अभिलेखों का स्वरूप बदलता गया और आज इनमें सरकारी दस्तावेज, नक्शे, तस्वीरें, फिल्में, ऑडियो रिकॉर्डिंग, ई-मेल तथा डिजिटल फाइलें भी शामिल हैं। अनेक अभिलेखागारों में ऐसे संवेदनशील और गोपनीय दस्तावेज भी सुरक्षित रखे जाते हैं जिन्हें 'डार्क आर्काइव्स' कहा जाता है। इन अभिलेखों को संरक्षित तो रखा जाता है, लेकिन उनकी सामग्री को आम जनता अथवा शोधकर्ताओं के लिए कई दशकों तक उपलब्ध नहीं कराया जाता।अभिलेखों का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि किसी देश के कानूनों, युद्धों, स्वतंत्रता आंदोलनों, सरकारी निर्णयों और सामाजिक परिवर्तनों से जुड़े मूल दस्तावेज इन्हीं में सुरक्षित रहते हैं। सरकारी अभिलेख प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। नई दिल्ली स्थित भारत के राष्ट्रीय अभिलेखागार में मुगल काल, ब्रिटिश शासन और स्वतंत्र भारत से जुड़े लाखों मूल्यवान दस्तावेज संरक्षित हैं, जो शोधकर्ताओं और इतिहासकारों के लिए अमूल्य धरोहर हैं।

हमें यह याद रखना चाहिए कि अभिलेख केवल इतिहास को संरक्षित नहीं करते, बल्कि संकट के समय लोगों के अधिकारों की रक्षा भी करते हैं। युद्ध, बाढ़, भूकंप या आग जैसी आपदाओं के बाद नागरिकों की पहचान, संपत्ति और कानूनी अधिकारों को प्रमाणित करने में अभिलेख महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसी कारण इन्हें भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखी जाने वाली अमूल्य विरासत माना जाता है।वर्तमान समय डिजिटल क्रांति का युग है। सूचनाओं के तीव्र प्रवाह और तकनीकी परिवर्तनों के बीच प्रमाणिक दस्तावेजों को सुरक्षित रखना पहले की अपेक्षा अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है। इसी संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि अपने अतीत को सुरक्षित रखे बिना हम एक सशक्त और जागरूक भविष्य की कल्पना नहीं कर सकते।

राष्ट्र सुरक्षा के 12 वर्षः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्णायक कदम और सशत भारत का संकल्प

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 10 जून को संवैधानिक चुनाव पद्धति से चयनित सबसे अधिक कार्यकाल वाले प्रधानमंत्री हो जायेंगे । मोदी देश के प्रथम प्रधानमंत्री श्री जवाहरलाल नेहरू का 4398 दिनों का रिकॉर्ड ध्वस्त कर 4399 दिन अपनी देश सेवा के पूर्ण करेंगे । प्रधानमंत्री मोदी अपने मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री दोनों के कार्यकाल को जोड़कर 25 वर्षों के साथ ही 9007 दिनों की अनवरत राष्ट्र सेवा को भी पूर्ण करेंगे । यह उत्साही ,अविश्रांत, अनथक कर्मयोगी की यात्रा है । देश के विकास के लिए अनेक कीर्तिमान गढ़ने वाले कठोर निर्णयों के लिए तो 12 वर्षों का उनका कार्यकाल अविस्मरणीय रहेगा ही साथ-साथ देश की सुरक्षा के लिए भी उनके योगदान और भुलाया नहीं जा सकता ।

शिवप्रकाश

(राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री, भाजपा)

राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत का अनुपालन करते हुए उन्होंने आतंकवाद से प्रति जीरो टॉलरेंस (ZERO TOLERANCE) की नीति को अपनाया । 13 जून 2014 को भारतीय सेना के साउथ ब्लॉक में स्थित रक्षा वॉर रूम में सेना उच्च अधिकारियों के साथ संवाद एवं रक्षा तैयारियों की समीक्षा कर ही अपनी सुरक्षा के प्रति प्राथमिकता को स्पष्ट कर दिया था । जब समस्त देश दीपावली पर दीपों से अपने-अपने घरों को प्रकाशमान करता है तब प्रधानमंत्री सीमा पर सुरक्षा में तैनात जवानों के बीच में उपस्थित रहकर देश उनके साथ है ऐसा संदेश देते हैं । सियाचिन से प्रारंभ कर 12 वर्षों में 12 स्थानों पर जाकर उन्होंने अपनी सीमा सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता प्रकट की है ।

आचार्य चाणक्य ने राष्ट्र की सुरक्षा के संदर्भ में कहा था कि 'मजबूत सेना के बिना राष्ट्र सुरक्षित नहीं रह सकता । 1962 में चाइना युद्ध में हमारी पराजय तथा 1964 में चाइना के परमाणु परीक्षण के बाद निर्मित निराशाजनक स्थिति से उबारने के लिए भारत को भी परमाणु शक्ति युक्त होना चाहिए , यह मांग जनसंघ ने 4 दिसम्बर 1964 को पटना अविवेशन में की थी । तब कांग्रेस सहित समस्त दलों ने इस माँग का उपहास किया था । जनसंघ के इसी संकल्प की पूर्ति को 11 मई 1998 को प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने पोखरण विस्फोट कर पूर्ण किया था । प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के आने के बाद 2014 रक्षा विभाग का बजट 2.27 लाख की तुलना में 3 गुना 7.85 लाख करोड़ हो गया । आज हम 100 से अधिक देशों को अपने रक्षा उत्पाद बेच रहे हैं । अब हमारा निर्यात में 2014 की तुलना में 686 करोड़ से बढ़कर 2025 -26 में 38424 करोड़ अर्थात 56 गुना वृद्धि हुई है । अब हम हाइपर सोनिक मिसाइल , ब्रह्मोस ,बैलिस्टिक मिसाइल , एयर डिफेन्स एवं रडार सिस्टम को ध्वस्त करने वाले रुद्रम -2, प्रलय , आकाश एयर डिफेन्स मिसाइल बना रहे हैं । भारत का स्वदेशी आईएनएस विक्रांत, राफेल, एस - 400 विमानों से हम युक्त हैं 7 आर्मेनिया ने येरेवान रिपब्लिक स्क्वायर में भारत में बनी आकाश एयर डिफेन्स मिसाइल एवं पिनाका रॉकेट लौनचर्स का प्रदर्शन भारतीयों को मस्तक ऊँचा करता हैं । 15 अगस्त 2025 को लाल किला से प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 'स्वदेशी क्षमताओं, मेड इन इंडिया हथियारों ने सिद्ध किया कि राष्ट्रीय सुरक्षा विदेशी निर्भरता पर नहीं टिक सकती । इसी का परिणाम ऑपरेशन सिंदूर में हमारी सेना ने 22 मिनट में ही सभी निर्धारित लक्ष्य पूर्ण कर किए थे । 72000 करोड़ की लागत से तैयार होने वाली ग्रेट निकोबार परियोजना भारत की आर्थिक समृद्धि, सामुद्रिक रणनीति एवं सुरक्षा का आधार बनेगी । सेना में स्वदेशी रक्षा उत्पाद, रक्षा बजट में वृद्धि, सेना के आधुनिकीकरण के साथ-साथ आंतरिक सुरक्षा पर सफलता प्राप्त करना ऐतिहासिक कदम है । 2014 से पूर्व पाकिस्तान प्रेरित आतंकवाद चरम पर था 7 केवल कश्मीर ही नहीं देश का कोई शहर सुरक्षित नहीं था । मुंबई, जयपुर, दिल्ली, काशी सहित अनेक आतंकी घटनाएं आज भी हमको विचलित करती हैं । सुरक्षाबलों को आधुनिक शस्त्र, बुलेट प्रूफ जैकेट, टेरर फंडिंग पर रोक हेतु NO MONEY FOR TERROR जैसे कड़े कदम , FATF के माध्यम से वित्तीय दबाव के साथ सर्जिकल एवं बालाकोट एयर स्ट्राइक के माध्यम से आतंकी नेटवर्क को ध्वस्त करने का कार्य किया 7 ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान में स्थापित आतंकी केंद्रों का सफाया एवं पाकिस्तान के सुरक्षा तंत्र को ध्वस्त किया । 370 को हटाने का ऐतिहासिक निर्णय कर देश की एकात्मता को सुदृढ़ किया है । इस ऐतिहासिक दिन को देश ही नहीं सम्पूर्ण विश्व स्मरण करेगा जब हमने कहा कि 31 मार्च 2026 वामपंथ प्रेरित नक्सलवाद से हम मुक्त हो रहे हैं । 2024 में 126 जिले नक्सलवादी आतंक से युक्त थे । 2024 में ही केवल 290 नक्सली मारे गए। 1090 गिरफ्तार हुए 7 881 ने आत्मसर्पण कर भारत की मुख्यधारा में लौटने का संकल्प किया 7 अब बस्तर सहित सभी नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास की बयार बह रही है ।

घुसपैठिये देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था, सुरक्षा के लिए खतरा एवं जनसांख्यिकी असंतुलन निर्माण कर रहे हैं । भारत सरकार ने इस संकट से उबरने के लिए 'डिटेक्ट , डिलीट , डिपोर्ट' नीति के अंतर्गत कठोर कार्यवाही की है । सीमा की निगरानी को सख्त किया है । बंगाल भाजपा विजय के पश्चात् बांग्लादेशी घुसपैठियों की बांग्लादेश की ओर वापसी की लाइन हम देख रहे हैं । 15,106 किलोमीटर सीमा 'सोती रेखा से जागती दीवार' लक्ष्य में Laser Wall, Vibration sensors, Night vision camera का उपयोग हो रहा है। सीमा सुरक्षा के लिए 49 % बजट वृद्धि कर 5597 करोड़ निर्धारित किया गया है 7 अदृश्य युद्ध के माध्यम से भारत की साइबर सुरक्षा को चुनौती देने का कार्य भारत विरोधी शक्तियां कर रही हैं। राज्यसभा में प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार भारत ने लगभग 54 लाख साइबर शिकायतों एवं 31594 करोड़ रुपयों के ठगी के प्रयासों का सामना करने में भारत सफल रहा । भारत सरकार ने 2024 में साइबर कमांडो व्यवस्था निर्माण का साइबर सुरक्षा प्रदान करने की व्यवस्था की है । DCYA (DEFENCE CYBER AGENCY) एवं IyC के माध्यम से समन्वय कर साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में प्रयास हो रहा है । देश को नशामुक्त बनाने हेतु व आतंकवाद जैसी समस्याओं के आय के प्रमुख स्त्रोत ड्रग्स के गैर कानूनी व्यापार पर करारा प्रहार करते हुए लगातार उनको जब्त किया जा रहा है 7 2024 में ही 25,330 करोड़ रुपये के ड्रग्स की जब्ती इस बात का पुख्ता प्रमाण है । सीमा सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान सीमावर्ती गाँव में बसे ग्रामीणों का रहता है । उनके मन में अपने प्रति उपेक्षा भाव न रहे इसलिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त 2023 में कहा, 'ये अंतिम गाँव नहीं, भारत माँ के प्रथम गाँव है । VVP (VIBRANT VILLAGES PROGRAM) PHASE 1 -2 के अंतर्गत 4121 गाँवों के विकास के लिए लगभग 11639 करोड़ का बजट निर्धारित किया है जिसके द्वारा मौसम अनुकूल सड़क(ALL WEATHER ROAD), सौर उर्जा, मोबाइल कनेक्टिविटी, शिक्षा स्वास्थ्य एवं पर्यटन का ढांचा खड़ा किया जा रहा है । 2023 में लालकिला के मैदान में 600 सीमावर्ती गाँवों के सरपंचों की सहभागिता ने सीमा एवं दिल्ली का संगम कर दिया है । अपने पंच प्रण के संकल्प में भारत को गुलामी की मानसिकता से मुक्ति का आह्वान भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया था । इसका अनुपालन करते हुए ऑपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति एवं भारतीय स्वाभिमान में वृद्धि के अनेक प्रयास हुए हैं । IPC, CRPC की धारायें अब भारतीय न्याय संहिता हो गई है । राजपथ अब कर्तव्यपथ , 7 रेस कोर्स रोड- 7 लोक कल्याण मार्ग , प्रधानमंत्री कार्यालय - सेवा तीर्थ एवं राजभवन - लोकभवन हो गए हैं । छ्ष्टस की नियुक्ति ने तीनों सेनाओं में समन्वय किया है । नेवी का प्रतीक चिन्ह अब ब्रिटिश दासता का स्मरण नहीं छत्रपति शिवाजी का स्मरण कराता, तिरंगे में अष्टकोणीय चिन्ह के साथ शिवाजी की राजमुद्रा से अंकित एवं वेद मंत्र 'शं नो वरुणः' एवं अशोक स्तम्भ का स्मरण कराता है। गणतंत्र दिवस के पश्चात् सेना द्वारा आयोजित बीटिंग रिट्रीट (BEATING RETREAT) परेड में अब अंग्रेजी धुन नही प्रसिद्ध गायिका स्वर्गीय लता मंगेशकर द्वारा रचित देशभक्ति गीत 'ए मेरे वतन के लोगो' ने स्थान ले लिया है । सेना में महिला सहभागिता , सैनिक स्कूलों में वृद्धि एवं अग्निवीर योजना से सुरक्षा तंत्र में समाज की सहभागिता बढ़ेगी । प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के ऐतिहासिक सुरक्षा के प्रति किए गए निर्णय सदैव स्मरण किए जाएंगे ।

राष्ट्र की संप्रभुता, आर्थिक विकास, शांति सभी के लिए सुरक्षा अनिवार्य शर्त है। सुरक्षा के प्रति किए गए उपायों का ही परिणाम है कि आज देश गरीब कल्याण, ढांचागत एवं आर्थिक विकास कर अपने सांस्कृतिक मूल्यों को संरक्षित करते हुए विश्व में अपना गौरवपूर्ण स्थान बना रहा है। भारत सुरक्षा के प्रति सजग रहते हुए 2047 तक विकसित भारत के अपने लक्ष्य प्राप्ति में सफल हो यह सभी नागरिकों का संकल्प बनना चाहिए ।

पढ़ाई के लिए लगन और मेहनत दोनों ही सबसे ज़रूरी

आज सी बी एस सी के बहुत से छात्रों के फेल होने पर खुद बच्चे पर नहीं सिस्टम पर दोष देना सही नहीं है क्योंकि मैं खुद ही एक छात्रों से मिला हूँ जो कुछ नम्बर से फेल हुए हैं एक गणित के प्रश्न पत्र पर 80 न का कुल अंक था मैंने पूछा कितना सॉल्व किये वो खुद इसको लेकर कंफ्यूज था बाद में बताया पेपर ठीक नहीं गया है और 20-25 न तक ही बना पाएं हैं और मार्क आया 18 कहाँ गलत है 5-10 परसेंट आगे पीछे होते हैं लेकिन ऐसा नहीं होगा कि आप 80 न का सही बनाए और 10-20 न मिला है तो हमें बताये कहाँ हुआ है क्योंकि मैं भी जानना चाहता हूँ कि सही में हकीकत क्या है

संजय

आप कल्पना कीजियेगा जब मैं खुद मैट्रिक में गणित में बहुत अच्छा पढ़ने के बाद भी मेरा एग्जाम ठीक ही नहीं टेढ़े सवाल में उलझ गए बाद में समय निकला और अंत में पेपर ख़राब हुआ और जैसा मैंने सोचा था लगभग उतना ही आया पासिंग मार्क से कुछ ही ज्यादा जो सबसे अंतिम सब्जेक्ट हो गया मुझे इस बात का दुःख हुआ कि जिस टीचर ने इतना मेहनत कर पढ़ाया और उसी के सामने मुँह दिखाने के लायक नहीं हूँ लेकिन एक दिन रास्ते में मिले और कहा तुम अच्छे स्टूडेंट हो और ऐ एक बैड लक हुआ लेकिन तुम आगे मैथ में अच्छा करोगे अभी तो पूरा कैरियर बाकि है अतः मैंने इंटर में साइंस में मैथ और सांख्यिकी दोनों लिया और एक से एक पुस्तक खरीदी और जहाँ पेपर का कटा छठा खाली पेपर मिलता था वहाँ से किलो के भाव में ख़रीदा और खुब प्रैक्टिस किया और जो 10 वीं में मैथ में खुब नम्बर लाये थे वो भी इंटर में मैथ लिया कुछ तो उसी लय में अच्छा किया कुछ इस गलतफहमी में रह गए की दसवीं में गणित में 100 में 99-100 मिला है तो इंटर में भी ऐसा ही होगा थोड़ा पढ़ते फिर ख़िताब बन्द कर देते और बाद में बुरे दोस्तों के मण्डली में गए और सिगरेट तम्बाकू और यहाँ तक जवानी के जोश में अवैध तरीके से कोने में घुसकर ब्लू फ़िल्म एक बार क्या देखा उसकी आदत लग गई और जब एग्जाम में बैठा तो पसीने छूटने लगे कभी आगे देखा कभी पीछे उधर इनविजलेटर बार बार चिल्ला रहा था बाद में मजिस्ट्रेट आया और उठा कर लें गया अतः परीक्षा 10 वीं आपको आगे बढ़ने का रास्ता दिखाती है लेकिन इंटर आपका करियर बनाता है वही से शुरुआत होता है आपका भविष्य और एक बात हमेशा ध्यान देने की जरुरत है कि आज के समय में गणित पर पकड़ होना बहुत जरुरी है भले ही आप आर्टस लो क्योंकि आज ए आई और डाटा साइंस फाइनेंस में गणित ही काम आता है और ऐ भी ध्यान देना जरुरी है कि दसवीं का मैथ और इंटर का मैथ बिलकुल अलग है और मैथ ही एक ऐसा विषय है जो क़ोई भी टीचर अन्य विषयों जैसा नहीं पढ़ा सकता है ना ही रट्टा लगाकर पास कर सकते है इसमें मेहनत और संयम और काफी प्रैक्टिस की जरुरत होती है आज तो फिर भी प्रश्न पहले से कठिन नहीं रहते हैं पहले के दौर में इंटर साइंस मैथ में कम लोग पास करते थे उसके प्रश्न आज के प्रश्न से काफी कठिन होते थे नहीं होता है तो गूगल में देखिए 1975 के दौर का गणित और आज का गणित, उसमें ग्रेजुएशन लेवल के मैथ रहते थे आज बहुत से क्वेश्चन ऑब्जेक्टिव आते हैं जिसमें उतना मेहनत नहीं दिमाग़ दौड़ाकर ही हल कर सकते हैं खैर जब मुझे 10 वीं में मैथ में अच्छा स्टूडेंट होने के बाद एग्जाम में पासिंग मार्क के करीब आया तो धक्का लगा और खुब प्रैक्टिस की एक तरीके से नहीं दो तीन तरीके से बनाने की कोशिश की दिनभर यही सोचता आखिर बन क्यों नहीं रहा है फिर लग जाता सॉल्व करने में ऐ 1988 की बात है उस समय स्टेट बोर्ड था और सी बीएस सी भी लेकिन ज्यादा लोग स्टेट बोर्ड से ही करते क्योंकि उसमें फीस कम लगता था और लोग कॉलेज भी जाते थे खैर कॉलेज में भी जाना जरुरी होता है क्योंकि वहाँ जब टीचर क़ोई सवाल पूछता और फट सा उत्तर दे देते तो आपका हौसला बढ़ता था एक बार फिजिक्स के जाने माने टीचर ने एक सवाल पूछा और किसी से नहीं हुआ तो मैंने बना दिए थे तो वो बहुत खुश हुए और कॉफीडेन्स लेवल बढ़ा, और हमने तो एक साल में ही मैथ को इंटर में ही पूर्ण किया और फिर भी प्रैक्टिस करता रहा जब एग्जाम हुए तो उस समय का पेपर और आज के पेपर से तुलना कीजियेगा तो मालूम होगा पहले पेपर कठिन था क्योंकि उसमें सारे प्रश्न सब्जेक्टिव रहता और आज की तरह ही दो पेपर होते थे लेकिन पहले टाइम कम होता था सब्जेक्टिव पेपर को सॉल्व करने में, एक पेपर में कुल 8 प्रश्न रहते एक प्रश्न में 3 प्रश्न और रहते थे समय डाई घंटा लेकिन हमने दोनों पेपर में 1-2 प्रश्न आधा छोड़कर सब बना लिया 1तो गलती से छुट गया जो आता था क्योंकि उसे हमने देखा ही नहीं खैर कुल मिलाकर 200 में 152 न मिला आशा थी की शायद 165 से ज्यादा मिलेगा लेकिन फिर भी ठीक रिजल्ट हुआ क्योंकि कुछ मार्क हैंड राइटिंग के साथ भी जुड़े होते हैं और मैथ के पेपर चेक करनेवाला ऐसे हैंडराइटिंग नहीं देखता वो ऊपर और निचे के कुछ स्टेप से पकड़ लेता है कि लड़के ने खुद से बनाया है या नकल किया है लेकिन मैथ एक ऐसा विषय है कि आपने जो प्रोसेस से हल किया हो शायद पेपर चेक करनेवाला उससे संतुष्ट ना हो इसलिए जब आप 100 का टारगेट लेकर चलते हैं तो समझ लें 75-80 के आसपास आप का मार्क आएगा, हमने एक और सब्जेक्ट मैथ के साथ ऑप्शनल में सांख्यिकी भी लिया उसके प्रश्न तो पहला इतना कठिन था कि कुछ छात्रों ने क्वेश्चन देखकर ही चला गया क्योंकि उसमें फेल होने से भी रिजल्ट पर क़ोई फर्क नहीं पड़ता था लेकिन मैं ही एक अकेला लगा रहा और 65 क्वेश्चन का उत्तर दिया उस पेपर में 55 अंक मिले जब दूसरा पेपर था तो बहुत से लड़के ने तो भाग ही नहीं लिया और छोड़ कर चले गए कुछ ने एग्जाम दिया क्योंकि उसमें ज्यादातर प्रश्न आंकड़ों) के संग्रह, विश्लेषण, व्याख्या, प्रस्तुति और संगठन से संबंधित था फिर भी मैं पुरी कोशिश की और 100 में 37 अंक मिले और सांख्यिकी में दोनों मिलाकर 45 परसेंट से ऊपर ही रहा लेकिन इससे मार्कशीट में एक प्लस पॉइंट ऐ रहा कि उसमें लिखा था सांख्यिकी में भी पास है अतः उस दौर और आज के दौर में काफी अंतर है लोग सोचते हैं पैसे के दम पर पास करा लेंगे घर में दिन भर बन्द रखना इससे मानसिक संतुलन ख़राब होता है आज आईपीएल के चक्कर में क्रिकेट में करियर बनाने की होड़ में बच्चों की पढ़ाई गड़बड़ा रहा है कुछ बच्चे को माता पित्ता को खुद से देखना जरुरी है और खेलना, मनोरंजन करना मानसिक संतुलन को बढ़ाता है अच्छा करने के लिए मेहनत करना जरुरी हैं और मेहनत में लगन भी होनी चाहिए कुछ मीडिया की भी गलती है पढ़ाई के बारे में कुछ बताते ही नहीं बस पेपर लीक हो गया छात्रों ने आत्महत्या कर लिया पेपर लिक पहले भी होते थे तभी जब बच्चे आईआईटी में दाखिला तो लें लेते लेकिन ख़राब परफॉरमेंस होने के बाद वहाँ से निकाल दिए जाते थे कई बार आईआईटी, रूडकी और दिल्ली ने निकला है पेपर लीक कर जो छात्रों ने पास भी किया होगा उसे आगे और भी गंभीर समस्या सामने आएगी जब ज्ञान के अभाव में या तो वहाँ बार बार फेल होंगे या कॉलेज से निकाल दिए जायेंगे तो घर आकर उनकी कितनी बेइज्जती होगी इज्जत उसी को मिलेगा जो इसमें लीक होने के बाद भी मेरिट के आधार पर पास हुआ है आज छात्रों को क़ोई चढ़ा रहा है तो मीडिया और कोचिंग सेंटर है क्योंकि मीडिया पढ़ाई का दिखाता नहीं कोचिंग सेंटर इतना फ़ास्ट चलता है कि बच्चे को प्रैक्टिस करने का समय ही नहीं मिलता और पिता सोचता है कि बहुत बढ़िया कोचिंग है बच्चा अभी ही आकाश से तारा तोड़ कर लें आएगा थोड़ा समय दीजिये और सिस्टम से आगे चले बेसिक स्कूल से बजबुत करें और संयम से काम लें, एक तो मोबाइल की लत फिर सही चीज ना दिखाना कभी भी किसी भी विषय पर क़ोई क्लास नहीं लेना मेरे समय में भले ही ब्लैक एंड वाइट था लेकिन डी डी में पढ़ाई के बारे में जानकारी मिलती थी.हालांकि पेपर लिक होना ठीक नहीं है लेकिन छात्रों को इससे घबराना नहीं चाहिए क्योंकि बाद में ऐसे पास किए हुए छात्रों में आगे की पढ़ाई में डर का माहौल होगा उसे आगे और भी पढ़ाई करने में दिक्कत होगी.

जय-वीरू के झगड़े में नहीं बन सका मेडिकल कॉलेज अस्पताल वित्तमंत्री ओपी चौधरी का कांग्रेस सरकार पर हमला

मीडिया ऑडीटर, अंबिकापुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के वित्तमंत्री एवं सरगुजा जिले के प्रभारी मंत्री ओपी चौधरी ने अंबिकापुर स्थित राजमाता देवेंद्र कुमारी सिंहदेव मेडिकल कॉलेज अस्पताल भवन के निर्माण में हुई देरी को लेकर पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला है उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में आपसी मतभेदों और समन्वय की कमी के कारण यह महत्वपूर्ण स्वास्थ्य परियोजना समय पर पूरी नहीं हो सकी उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि 'जय-वीरू के झगड़े' की वजह से मेडिकल कॉलेज अस्पताल भवन वर्षों तक अधूरा पड़ा रहा सोमवार को सरगुजा दौरे पर पहुंचे वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने मीडिया से चर्चा के दौरान कहा कि कांग्रेस सरकार में तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव और तत्कालीन मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री भूपेश बघेल के बीच राजनीतिक मतभेदों का खामियाजा इस परियोजना को भुगतना पड़ा उन्होंने आरोप लगाया कि अस्पताल भवन के निर्माण के लिए आवश्यक वित्तीय स्वीकृतियां समय पर नहीं दी गई जिससे कार्य लंबे समय तक बाधित रहा वित्तमंत्री ने बताया कि वर्तमान भाजपा सरकार ने इस परियोजना को प्राथमिकता में रखते हुए 100 करोड़ रुपये से अधिक की राशि स्वीकृत कर दी है साथ ही निर्माण एजेंसी को कार्य में तेजी लाने और अस्पताल भवन को जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं उन्होंने भरोसा दिलाया कि प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है और अधूरे कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा जानकारी के अनुसार मेडिकल कॉलेज की स्थापना वर्ष 2014 में हुई थी जबकि अस्पताल भवन निर्माण की स्वीकृति बाद में मिली अब तक इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर लगभग 366 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं हालांकि भवन को पूर्ण करने के लिए आवश्यक लगभग 119 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि पूर्ववर्ती सरकार के दौरान स्वीकृत नहीं हो सकी जिसके कारण निर्माण कार्य वर्षों तक प्रभावित रहा। अस्पताल भवन अधूरा होने का असर मेडिकल कॉलेज की शैक्षणिक गतिविधियों पर भी पड़ रहा है राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) के निर्धारित मानकों को पूरा करने में कॉलेज को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है वर्तमान में जिला अस्पताल को मेडिकल कॉलेज के संबद्ध अस्पताल के रूप में उपयोग किया जा रहा है लेकिन वहां उपलब्ध सुविधाएं एनएमसी के मानकों के अनुरूप नहीं मानी जाती हैं। इसका सीधा प्रभाव एमबीबीएस छात्रों की पढ़ाई और क्लीनिकल प्रशिक्षण पर पड़ रहा है आवश्यक बुनियादी सुविधाओं के अभाव में मेडिकल कॉलेज को पहले भी दो बार 'जीरो ईयर' घोषित किया जा चुका है विशेषज्ञों का मानना है कि अस्पताल भवन के शीघ्र निर्माण से न केवल चिकित्सा शिक्षा को मजबूती मिलेगी बल्कि सरगुजा संभाग के लाखों लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं भी उपलब्ध हो सकेंगी।

परिवहन विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, 165 अधिकारी-कर्मचारियों के तबादले; नारायणपुर और बीजापुर को मिले नए परिवाहन अधिकारी

मीडिया ऑडीटर,रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ परिवहन विभाग में प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और सुचारू बनाने के उद्देश्य से बड़े स्तर पर तबादला आदेश जारी किए गए हैं परिवहन आयुक्त कार्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार विभाग के 165 अधिकारियों एवं कर्मचारियों का स्थानांतरण किया गया है इस व्यापक फेरबदल में परिवहन निरीक्षक, परिवहन उपनिरीक्षक, सहायक उपनिरीक्षक, प्रधान आरक्षक और आरक्षक स्तर के कर्मचारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं विभागीय आदेश के अनुसार कुल 46 परिवहन निरीक्षकों, 50 परिवहन उपनिरीक्षकों, 16 सहायक उपनिरीक्षकों, 35 प्रधान आरक्षकों तथा 18 आरक्षकों की नई पदस्थापना की गई है। परिवहन विभाग ने इसे नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा बताते हुए कहा है कि इससे विभागीय कार्यप्रणाली में सुधार होगा और मैदानी स्तर पर निगरानी व्यवस्था अधिक मजबूत बनेगी। तबादला सूची में कई महत्वपूर्ण नियुक्तियां भी शामिल हैं कोरबा उड़नदस्ता में पदस्थ परिवहन निरीक्षक अनुपम पटेल को नारायणपुर जिले का प्रभारी जिला परिवहन अधिकारी (डीटीओ) बनाया गया है वहीं दुर्ग में पदस्थ परिवहन निरीक्षक सनत कुमार जागड़े को बीजापुर जिले की जिम्मेदारी सौंपी गई है प्रशासनिक दृष्टि से इन दोनों जिलों में नए अधिकारियों की नियुक्ति को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसके अलावा कृष्ण कुमार चौबे को अंबिकापुर से चिल्फी चेकपोस्ट, वैभव शुक्ला को रायपुर से रामानुजगंज तथा मोहम्मद आबिद खान को कोटा से धनपुंजी चेकपोस्ट स्थानांतरित किया गया है वहीं संतोष कुमार राठौर, चंद्र कुमार साहू और अरुणा साहू को रायपुर उड़नदस्ता में नई पदस्थापना दी गई है। विभागीय आदेश में महेंद्र कुमार कुलदीप को परिवहन कार्यालय बिलासपुर, राजेंद्र कुमार बर्मन को पाटेकोहरा चेकपोस्ट से रायगढ़ उड़नदस्ता, केशव प्रसाद राजवाड़े को दुर्ग उड़नदस्ता तथा जितेंद्र भूषण को पाटेकोहरा चेकपोस्ट की जिम्मेदारी सौंपी गई है अधिकारियों का मानना है कि अनुभवी कर्मचारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपने से विभागीय कार्यों में तेजी आएगी और राजस्व संग्रहण के साथ-साथ परिवहन नियमों के पालन पर भी प्रभावी निगरानी रखी जा सकेगी अपर परिवहन आयुक्त द्वारा जारी आदेश में सभी स्थानांतरित अधिकारियों और कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से नवीन पदस्थापना स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं विभाग ने स्पष्ट किया है कि स्थानांतरण के बाद किसी प्रकार की प्रशासनिक बाधा उत्पन्न न हो इसके लिए संबंधित कार्यालयों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। परिवहन विभाग का मानना है कि इस बड़े प्रशासनिक फेरबदल से प्रदेशभर में परिवहन व्यवस्था को अधिक चुस्त-दुरुस्त बनाया जा सकेगा साथ ही मैदानी स्तर पर निगरानी, राजस्व वसूली, यातायात नियमों के पालन और विभागीय कार्यकुशलता में भी उल्लेखनीय सुधार देखने को मिलेगा।

39 लाख की सप्लाई ठगी का आरोपी जयपुर से गिरफ्तार, एक वर्ष से चल रहा था फरार

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी की देहात थाना पुलिस ने 39 लाख रुपए से अधिक की कथित धोखाधड़ी के मामले में फरार चल रहे आरोपी को राजस्थान के जयपुर से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है आरोपी पर एक स्थानीय कारोबारी से मार्केटिंग सामग्री की सप्लाई के नाम पर लाखों रुपए लेने के बाद माल न भेजने और रकम वापस न करने का आरोप है पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। देहात थाना प्रभारी विकास यादव ने बताया कि शिवपुरी के छोटा लुहारपुरा निवासी राहुल गुप्ता की फर्म 'श्री मां इंटरप्राइजेज' के नाम से संचालित होती है राहुल गुप्ता मार्केटिंग व्यवसाय से जुड़े हुए हैं। उनकी पहचान जयपुर स्थित 'आरबीएम मार्ट प्राइवेट लिमिटेड' के संचालक राजीव भाटिया से हुई थी प्रारंभिक कारोबारी लेन-देन के दौरान राजीव भाटिया ने समय पर माल की आपूर्ति की जिससे दोनों के बीच विश्वास का संबंध स्थापित हो गया पुलिस के अनुसार इसी विश्वास के आधार पर राहुल गुप्ता ने अगस्त 2024 से राजीव भाटिया की कंपनी के खाते में आरटीजीएस के माध्यम से लगातार भुगतान करना शुरू किया आरोप है कि आरोपी ने लगभग 39 लाख 49 हजार रुपए प्राप्त करने के बाद माल भेजना बंद कर दिया कई बार संपर्क करने और रकम वापस मांगने के बावजूद आरोपी लगातार टालमटोल करता रहा फरियादी राहुल गुप्ता ने पुलिस को बताया कि 15 जनवरी 2025 को वह अपने भाई सचिन गुप्ता के साथ जयपुर स्थित एक होटल में राजीव भाटिया से मिले थे उस दौरान आरोपी ने अपने नए पान मसाला ब्रांड के लॉन्च का हवाला देते हुए 20 जनवरी से नियमित माल सप्लाई शुरू करने का आश्वासन दिया था हालांकि इसके बाद भी न तो सामान उपलब्ध कराया गया और न ही भुगतान की गई राशि लौटाई गई मामले की जांच के दौरान पुलिस ने बैंक खातों के लेन-देन, दस्तावेजों और अन्य साक्ष्यों का परीक्षण किया जांच में प्रथम दृष्टया यह तथ्य सामने आया कि आरोपी ने बड़ी राशि प्राप्त करने के बावजूद निर्धारित माल की आपूर्ति नहीं की इसके आधार पर आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी और अमानत में खयानत सहित विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया गया था।

डकैत को 'सुख-दुख का साथी' बताने वाले बयान पर विधायक प्रीतम लोधी ने जताया खेद

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। पिछोर विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रीतम लोधी ने कुख्यात डकैत रामबाबू गड़रिया को लेकर दिए गए अपने विवादित बयान पर खेद व्यक्त किया है विधायक द्वारा दिए गए इस बयान के बाद क्षेत्र में राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई थीं विभिन्न समाजों, विशेषकर गुर्जर समाज सहित अन्य संगठनों ने इस बयान पर आपत्ति जताते हुए नाराजगी व्यक्त की थी विवाद बढ़ने के बाद विधायक ने सोशल मीडिया के माध्यम से वीडियो संदेश जारी कर अपना पक्ष स्पष्ट किया गौरतलब है कि 31 मई को आयोजित अहिल्याबाई होल्कर जयंती समारोह में विधायक प्रीतम लोधी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए थे कार्यक्रम के दौरान उन्होंने अपने संबोधन में कुख्यात डकैत रामबाबू गड़रिया को अपना 'सुख-दुख का साथी' बताया था कार्यक्रम में रामबाबू गड़रिया की तस्वीर पर माल्यार्पण किए जाने का मामला भी चर्चा का विषय बना था इसके बाद विधायक के बयान को लेकर विभिन्न सामाजिक संगठनों और राजनीतिक दलों के बीच बहस शुरू हो गई थी विवाद को लेकर जारी किए गए वीडियो संदेश में विधायक प्रीतम लोधी ने कहा कि उनका उद्देश्य किसी व्यक्ति, समाज या समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था उन्होंने स्पष्ट किया कि वह बघेल समाज द्वारा आयोजित देवी अहिल्याबाई होल्कर जयंती कार्यक्रम में अतिथि के रूप में शामिल हुए थे और भाषण के दौरान यदि किसी प्रकार की अनुचित या गलत शब्दावली का प्रयोग हो गया हो तो उसके लिए वह खेद व्यक्त करते हैं। विधायक ने अपने संदेश में कहा कि वे सदैव सामाजिक समरसता, भाईचारे और सभी वर्गों के सम्मान के पक्षधर रहे हैं उन्होंने कहा कि यदि उनके किसी वक्तव्य से किसी भी समाज या व्यक्ति की भावनाएं आहत हुई हैं तो वह उसके लिए हृदय से क्षमा प्रार्थी हैं साथ ही उन्होंने समाज के सभी वर्गों से आपसी सौहार्द और सद्भाव बनाए रखने की अपील भी की विधायक के स्पष्टीकरण के बाद राजनीतिक हलकों में इस मुद्दे को लेकर चर्चा जारी है हालांकि उन्होंने अपने बयान पर खेद व्यक्त कर विवाद को शांत करने का प्रयास किया है अब देखना होगा कि उनके इस स्पष्टीकरण के बाद विभिन्न समाजों और संगठनों की प्रतिक्रिया क्या रहती है।

लेखापाल से मारपीट के विरोध में नगर पालिका कर्मचारी लामबंद, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन; कार्रवाई नहीं होने पर हड़ताल की चेतावनी

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। नगर पालिका शिवपुरी के प्रभारी लेखापाल रविकांत झा के साथ कथित मारपीट की घटना को लेकर नगर पालिका कर्मचारियों एवं अजाक्स संगठन में भारी आक्रोश व्याप्त है कर्मचारियों ने सोमवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपते हुए दोषी कर्मचारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की साथ ही चेतावनी दी कि यदि समय रहते उचित कार्रवाई नहीं की गई तो कर्मचारी आंदोलन और हड़ताल का रास्ता अपनाने के लिए बाध्य होंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार 5 जून की रात लगभग 12 बजे प्रभारी लेखापाल रविकांत झा को नगर पालिका कार्यालय बुलाया गया था। बताया गया है कि कार्यालय में नगर पालिका अध्यक्ष एवं अध्यक्ष पति द्वारा उनसे लेखा संबंधी जानकारी ली जा रही थी। इसी दौरान कर्मचारी हाफिज अब्दुल्ला के साथ किसी बात को लेकर विवाद हो गया जिसके बाद कथित रूप से लेखापाल के साथ मारपीट की गई कर्मचारियों का आरोप है कि मारपीट के दौरान रविकांत झा का गला पकड़कर उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंचे कुछ मीडियाकर्मियों ने हस्तक्षेप करते हुए स्थिति को नियंत्रित किया और पीड़ित कर्मचारी को सुरक्षित उनके घर पहुंचाया इस घटना के बाद नगर पालिका कर्मचारियों में असुरक्षा की भावना बढ़ गई है कर्मचारियों का कहना है कि कार्यालय में भय का वातावरण बना हुआ है, जिससे नियमित कार्य प्रभावित हो रहे हैं उन्होंने आरोप लगाया कि घटना के बाद भी कुछ कर्मचारियों को अप्रत्यक्ष रूप से धमकियां दी जा रही हैं जिससे वे मानसिक दबाव में कार्य करने को मजबूर हैं अजाक्स जिला अध्यक्ष कमलकिशोर कोड़े के नेतृत्व में कर्मचारियों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर आरोपी कर्मचारी के विरुद्ध सख्त प्रशासनिक एवं कानूनी कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो कर्मचारियों ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि पीड़ित लेखापाल को न्याय नहीं मिला और दोषी के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो नगर पालिका कर्मचारी सामूहिक रूप से हड़ताल पर जाने को मजबूर होंगे कर्मचारियों ने निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

प्राकृतिक आपदा पीड़ित परिवारों को शासन का संबल, मृतकों के वारिसों को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाने की दिशा में लगातार संवेदनशील पहल की जा रही है इसी क्रम में मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले में प्राकृतिक आपदा के कारण जान गंवाने वाले दो व्यक्तियों के परिजनों को शासन की ओर से चार-चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है इस सहायता से प्रभावित परिवारों को कठिन समय में आर्थिक संबल मिलने की उम्मीद जताई जा रही है प्राप्त जानकारी के अनुसार केल्हारी तहसील निवासी स्वर्गीय शिवमंगल की सर्पदंश से मृत्यु हो गई थी वहीं इसी तहसील के निवासी स्वर्गीय गौतम की पानी में डूबने के कारण जान चली गई थी दोनों घटनाओं के बाद राजस्व विभाग द्वारा आवश्यक जांच एवं दस्तावेजी प्रक्रिया पूर्ण करते हुए प्रकरण तैयार किया गया और शासन को स्वीकृति के लिए भेजा गया। राजस्व पुस्तक परिपत्र (आरबीसी) 6-4 के संशोधित प्रावधानों के तहत प्रकरणों का परीक्षण किया गया परीक्षण उपरांत राजस्व पुस्तक परिपत्र 6(4) के परिशिष्ट-1 की कंडिका-6 (क) (1) के अंतर्गत दोनों मृतकों के वैधानिक वारिसों को चार-चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई यह राशि प्राकृतिक आपदा के कारण हुई मृत्यु के मामलों में शासन द्वारा निर्धारित प्रावधानों के तहत प्रदान की जाती है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी संतन देवी जांगड़े के मार्गदर्शन में राजस्व विभाग ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए सहायता राशि स्वीकृत कराने की प्रक्रिया पूरी की प्रशासन का कहना है कि आपदा प्रभावित परिवारों को समय पर राहत उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकता है ताकि विपरीत परिस्थितियों में उन्हें आर्थिक सहायता मिल सके। अधिकारियों के अनुसार शासन द्वारा दी जाने वाली यह सहायता राशि केवल आर्थिक मदद नहीं, बल्कि प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व का भी प्रतीक है। इससे परिवारों को तत्काल राहत मिलने के साथ-साथ भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने में भी मदद मिलेगी।

कोलारस थाने के उपनिरीक्षक क्लेस्तुस लकड़ा का निधन, पुलिस विभाग में शोक की लहर

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के कोलारस थाना में पदस्थ उपनिरीक्षक (एसआई) क्लेस्तुस लकड़ा का सोमवार को बीमारी के चलते निधन हो गया उनके निधन की खबर मिलते ही पुलिस विभाग सहित क्षेत्रभर में शोक की लहर फैल गई वे 52 वर्ष के थे और पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों तथा उनके परिचितों ने उनके निधन को पुलिस विभाग के लिए अपूरणीय क्षति बताया है जानकारी के अनुसार उपनिरीक्षक क्लेस्तुस लकड़ा की तबीयत पिछले कुछ दिनों से खराब चल रही थी स्वास्थ्य में लगातार गिरावट आने पर उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था चिकित्सकों द्वारा उनका इलाज किया जा रहा था लेकिन सोमवार को उपचार के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली उनके निधन की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में शोक का माहौल बन गया क्लेस्तुस लकड़ा मूल रूप से छत्तीसगढ़ के निवासी थे उन्होंने लगभग 25 वर्षों तक पुलिस विभाग में अपनी सेवाएं प्रदान कीं अपने लंबे और सफल सेवाकाल के दौरान उन्होंने विभिन्न जिलों और थानों में पदस्थ रहकर जिम्मेदारी एवं ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया वे अपने शांत स्वभाव, अनुशासनप्रिय कार्यशैली और कर्तव्यनिष्ठा के लिए पुलिस विभाग में विशेष पहचान रखते थे। सहकर्मियों के अनुसार, क्लेस्तुस लकड़ा हमेशा आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुनते थे और उनके समाधान के लिए तत्पर रहते थे पुलिस विभाग में उनकी छवि एक मेहनती, संवेदनशील और समर्पित अधिकारी की रही है। उनके व्यवहार और कार्यशैली के कारण वे अपने सहयोगियों और क्षेत्रीय नागरिकों के बीच काफी सम्मानित थे उनके निधन पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि विभाग ने एक अनुभवी एवं समर्पित अधिकारी को खो दिया है पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिजनों को इस कठिन समय में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। उपनिरीक्षक क्लेस्तुस लकड़ा के निधन से न केवल पुलिस विभाग बल्कि उन्हें जानने वाले सभी लोगों को गहरा आघात पहुंचा है उनके लंबे सेवाकाल और कर्तव्यनिष्ठ कार्यों को हमेशा याद किया जाएगा।

भीषण गर्मी में ग्रामीणों को राहत, हैंडपंप सुधार कार्य से सुचारु हुई पेयजल व्यवस्था

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान के बीच ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट से निपटने के लिए जिला प्रशासन एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिले के विभिन्न गांवों में खराब और बंद पड़े हैंडपंपों की मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य तेजी से किया जा रहा है जिससे ग्रामीणों को बड़ी राहत मिल रही है विभाग की त्वरित कार्रवाई से कई गांवों में पेयजल व्यवस्था पुन: सुचारु हो गई है जानकारी के अनुसार विकासखंड भरतपुर के ग्राम घाघरा और भगवानपुर में ग्रामीणों द्वारा हैंडपंप खराब होने की सूचना दी गई थी। सूचना मिलते ही हैंडपंप तकनीशियन सुशील कुमार बंजारे एवं उनकी टीम मौके पर पहुंची और तकनीकी जांच के बाद आवश्यक मरम्मत कार्य शुरू किया टीम ने अल्प समय में हैंडपंपों को सुधार कर पुन: चालू कर दिया जिससे प्रभावित ग्रामीणों को स्वच्छ एवं सुलभ पेयजल उपलब्ध होने लगा है गर्मी के मौसम में जल स्त्रोतों पर बढ़ते दबाव को देखते हुए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जिलेभर में विशेष निगरानी रखी जा रही है विभाग के अधिकारी लगातार क्षेत्रीय भ्रमण कर खराब हैंडपंपों की पहचान कर रहे हैं प्राप्त शिकायतों और स्थानीय जरूरतों के आधार पर मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है ताकि किसी भी गांव में पेयजल संकट उत्पन्न न हो विभागीय अधिकारियों ने बताया कि भीषण गर्मी के दौरान पेयजल व्यवस्था को सुचारु बनाए रखना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है इसके लिए मरम्मत दलों को लगातार सक्रिय रखा गया है। हैंडपंपों की तकनीकी जांच खराब पुर्जों का प्रतिस्थापन और नियमित रखरखाव का कार्य निरंतर जारी है जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में जल आपूर्ति प्रभावित न हो ग्रामीणों ने समय पर की गई कार्रवाई के लिए जिला प्रशासन और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग का आभार व्यक्त किया है उनका कहना है कि हैंडपंपों के सुधार के बाद उन्हें पेयजल के लिए दूरस्थ जल स्त्रोतों पर निर्भर नहीं रहना पड़ रहा है इससे समय और श्रम दोनों की बचत हो रही है तथा दैनिक आवश्यकताओं के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध हो रहा है। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि पेयजल संबंधी किसी भी समस्या की जानकारी तत्काल संबंधित विभाग को दें ताकि समय पर कार्रवाई कर समस्या का समाधान किया जा सके प्रशासन का कहना है कि जिले में पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम लगातार उठाए जा रहे हैं।

टूट रही जाति की जंजीर, शिक्षा और नई सोच से बढ़ रहे अंतरजातीय विवाह

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में सामाजिक बदलाव की एक नई तस्वीर उभरकर सामने आ रही है जहां विवाह जैसे पारंपरिक संस्थान में जाति की दीवारें धीरे-धीरे कमजोर होती दिखाई दे रही हैं। अब युवा पीढ़ी विवाह में जाति की बजाय शिक्षा, रोजगार, वैचारिक सामंजस्य और जीवनशैली को अधिक महत्व दे रही है प्रदेश में पिछले कुछ वर्षों के दौरान अंतरजातीय विवाहों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार पिछले छह वर्षों में छत्तीसगढ़ में 4,490 ऐसे विवाह हुए हैं जिनमें पति या पत्नी में से एक अनुसूचित जाति और दूसरा सामान्य या अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित है यह आंकड़ा सामाजिक बदलाव की ओर बढ़ते रुझान को स्पष्ट रूप से दर्शाता है राज्य सरकार द्वारा ऐसे विवाहों को प्रोत्साहित करने के लिए आर्थिक सहायता योजना भी संचालित की जा रही है इस योजना के तहत अनुसूचित जाति वर्ग के युवक या युवती से विवाह करने वाले दंपतियों को 2.50 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है अब तक इस योजना के अंतर्गत 112.57 करोड़ रुपये की सहायता राशि वितरित की जा चुकी है।

छतरपुर में बाइक टक्कर, महिला 10 फीट दूर गिरी गलत साइड से आई वाहन ने मारी टक्कर, परिवार के चार घायल

मीडिया ऑडीटर छतरपुर। छतरपुर में फोर लाइन सड़क पर दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, जबकि उसके परिवार के तीन अन्य सदस्य मामूली रूप से चोटिल हुए हैं। महिला को जिला अस्पताल के ट्रॉमा वार्ड में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, बट्ट सरेड़ी निवासी हरिशंकर राजपूत अपनी पत्नी ज्ञानवती और बेटियों रश्मि व राखी के साथ रगौली गांव से अपने घर लौट रहे थे। फोर लाइन सड़क पर पहुंचते ही सामने से गलत दिशा से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ज्ञानवती बाइक से उछलकर करीब 10 फीट दूर जा गिरीं। उन्हें चेहरे, सिर और हाथ-पैरों में गंभीर चोटें आई हैं। हरिशंकर और उनकी दोनों बेटियों को मामूली चोटें लगी हैं। हादसे के बाद दूसरी बाइक का चालक मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलने पर डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और सभी घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद ज्ञानवती की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें ट्रॉमा वार्ड में भर्ती कर लिया है, जहां उनका इलाज जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, यह हादसा तेज रफ्तार और गलत दिशा में वाहन चलाने के कारण हुआ। स्थानीय लोगों का कहना है कि फोर लाइन सड़क पर यातायात नियमों की अनदेखी के कारण आए दिन ऐसे हादसे होते रहते हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और फरार बाइक चालक की तलाश कर रही है।

महू-नीमच फोरलेन पर स्क्रैप से भरा लोडिंग वाहन पलटा चालक को मामूली चोटें आई, मंदसौर के फतेहगढ़ में हादसा

मीडिया ऑडीटर मंदसौर। मंदसौर जिले के फतेहगढ़ क्षेत्र में महू-नीमच फोरलेन हाईवे पर सोमवार को एक लोडिंग वाहन हादसे का शिकार हो गया। स्क्रैप सामग्री से भरा वाहन अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। हादसे में चालक को मामूली चोटें आई हैं, जबकि कोई जनहानि नहीं हुई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई की।

दलौदा से फतेहगढ़ की ओर जा रहा था वाहन: प्राप्त जानकारी के अनुसार वाहन क्रमांक 3596 दलौदा से स्क्रैप सामग्री लेकर फतेहगढ़ स्थित टीएमटी फैक्ट्री की ओर जा रहा था। वाहन निर्धारित मार्ग से गुजर रहा था, तभी रास्ते में अचानक चालक का वाहन से नियंत्रण बिगड़ गया।

नियंत्रण बिगड़ते ही सड़क पर पलटा वाहन: प्रत्यक्ष जानकारी के अनुसार चालक वाहन को संभाल नहीं सका और लोडिंग वाहन अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। वाहन में भारी मात्रा में स्क्रैप सामग्री भरी हुई थी। हादसे के बाद सड़क पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। चालक को आई मामूली चोटें हादसे के समय वाहन चालक कालू वाहन में मौजूद था। दुर्घटना में उसे मामूली चोटें आईं। स्थानीय लोगों ने तुरंत उसकी मदद की। राहत की बात यह रही कि चालक को गंभीर चोट नहीं लगी और उसकी जान सुरक्षित बच गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए।

क्रेन से हटाया गया पलटा वाहन: हादसे के बाद सड़क पर पलटे वाहन को हटाने के लिए क्रेन बुलाई गई। क्रेन की सहायता से वाहन को सीधा किया गया और सड़क किनारे सुरक्षित स्थान पर खड़ा कराया गया। इसके बाद हाईवे पर यातायात सामान्य रूप से संचालित होने लगा।

बड़ा हादसा टला: स्थानीय लोगों के अनुसार दुर्घटना के समय आसपास कोई अन्य वाहन या राहगीर मौजूद नहीं था। यदि उस समय कोई वाहन पास से गुजर रहा होता तो बड़ा हादसा हो सकता था। गनीमत रही कि दुर्घटना में किसी अन्य व्यक्ति को नुकसान नहीं पहुंचा।

जिले में प्री-मानसून 11 जून तक करवाएगा बूंदाबांदी

मीडिया ऑडीटर खरगोन। जिले में प्री-मानसून ने दस्तक दे दी है। कुछ जगह तेज बारिश से अच्छी राहत मिली है, वहीं शहर में गर्मी के साथ ही उमस ने लोगों को बेहाल कर रखा है। मौसम विभाग के अनुसार गुरुवार तक जिले में प्री-मानसून की वजह से बूंदाबांदी हो सकती है। लेकिन यह बूंदाबांदी दोपहर बाद होने से राहत की जगह उमस बढ़ाने का काम करेगी। साथ ही अधिकतम तापमान में भी 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की बढ़त देखने को मिल सकती है। इससे बारिश के पहले गर्मी अपना असर दिखाएगी और उमस बेहाल करेगी। रविवार को अधिकतम तापमान में 0.2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट हुई।

रतलाम में झाबुआ के युवक-युवती के शव मिले

जीजा को फोन करके लड़का बोला- हमने दवा खा ली 5 महीने पहले हुई थी उसकी शादी

मीडिया ऑडीटर,रतलाम (निप्र)। रतलाम जिले के बिलपांक थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर झाबुआ जिले के एक प्रेमी युगल के शव सड़क किनारे मिलने से सनसनी फैल गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों ने जहरीला पदार्थ खाकर जान दी। मौत से पहले युवक ने अपने जीजा को फोन कर बताया था कि उन्होंने दवाई खा ली है। दोनों एक दिन पहले अपने गांव से भागे थे। पुलिस को घटनास्थल से कीटनाशक की शीशी, एक बैग, बाइक और नई रस्सी मिली है। मामले की जांच जारी है।

सड़क किनारे मिले युवक-युवती के शव मामला बिलपांक थाना क्षेत्र के मूंदड़ी और धराड़ के बीच धतुरिया के पास रूपाखेड़ा रोड का है। रविवार दोपहर राहगीरों ने युवक और युवती को सड़क किनारे बेसुध हालत में पड़ा देखा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, जहां दोनों मृत मिले।

युवक ने मौत से पहले जीजा को किया था फोन: जांच में सामने आया है कि युवक राहजिंग ने रविवार दोपहर करीब 2 बजे अपने जीजा मांगीलाल खराड़ी को फोन किया था। मांगीलाल हल्दूपाड़ा गांव में रहते

हैं। फोन पर राहजिंग ने कहा कि 'हमने धराड़ के रास्ते दवाई खा ली है।' इसके बाद कॉल कट गया। जब जीजा ने दोबारा फोन लगाया तो किसी राहगीर ने फोन उठाकर पूरी घटना की जानकारी दी। इसके बाद परिजन मौके के लिए रवाना हुए। झाबुआ जिले के रहने वाले थे दोनों पुलिस के अनुसार मृतक युवक की पहचान राहजिंग पारगी 20 पिता धीरजी पारगी और युवती की पहचान ज्योति गामड़ 19 पिता शांतिलाल गामड़ के रूप में हुई है। दोनों झाबुआ जिले की गुणवाद तहसील के पिपलीपाड़ा गांव के निवासी थे। एक दिन पहले घर से भागे थे प्रारंभिक जांच में पता चला है कि दोनों प्रेम संबंध में थे। शनिवार रात युवक गांव की युवती को बाइक पर साथ लेकर घर से निकल गया था। रविवार को दोनों के शव रतलाम जिले में मिले।

रतलाम में रहकर पढ़ाई करता था युवक: परिजनों के अनुसार राहजिंग रतलाम में किराये के मकान में रहकर डीसीए (कंप्यूटर कोर्स) कर रहा था। इसके साथ ही वह थांदला कॉलेज से कृषि विषय में अंतिम वर्ष की पढ़ाई भी कर रहा था। पांच माह पहले हुई थी शादी मृतक के बड़े भाई श्रवण ने बताया कि राहजिंग की शादी करीब पांच माह पहले रायपुरिया क्षेत्र के मोहनगोठ गांव में शांता नाम की युवती से हुई थी। युवक की पत्नी, भाभी और छोटी बहन 28 मई को मजदूरी के लिए गुजरात के सूरत गई थीं। छोटे भाई की मौत की सूचना मिलने पर श्रवण भी सूरत से रतलाम के लिए रवाना हुआ।

घटनास्थल से मिली नई रस्सी और बैग: पुलिस को दोनों शवों के पास एक बैग मिला, जिसमें युवती के कपड़े और 12वीं कक्षा का पहचान पत्र रखा था। इसी पहचान पत्र के आधार पर दोनों की शिनाख्त हो सकी। बैग में एक नई रस्सी भी मिली है। पुलिस को आशंका है कि दोनों फांसी लगाने की भी योजना बना रहे थे। 300 मीटर दूर मिली कीटनाशक की शीशी पुलिस को शवों से करीब 300 मीटर दूर एक पेड़ के पास 750 एमएल की कीटनाशक दवा की खाली शीशी मिली है। वहीं केले और पानी की बोतल भी बरामद हुई है। जांच में आशंका जताई जा रही है कि दोनों ने वहीं बैठकर जहर खाया था। प्राथमिक जांच के अनुसार पहले युवक ने और उसके बाद युवती ने कीटनाशक का सेवन किया। इसके बाद दोनों सड़क किनारे आ गए, जहां उनकी मौत हो गई। उनकी बाइक शवों से करीब 20 मीटर दूर खड़ी मिली। भाई ने लगाया मारपीट और चोरी का आरोप मृतक के भाई श्रवण ने आरोप लगाया कि दोनों के घर से भागने के बाद रविवार सुबह युवती पक्ष के कुछ लोग उनके घर पहुंचे और माता-पिता के साथ मारपीट की। घर में तोड़फोड़ भी की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि घर में रखी करीब दो किलो चांदी भी ले गए। घायल पिता को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस संबंध में सारंगी चौकी पुलिस को सूचना दी गई है।पुलिस और एफएसएल टीम ने की जांचघटना की सूचना मिलते ही एसडीओपी किशोर पाटनवाला बिलपांक थाना प्रभारी अयूब खान और एफएसएल अधिकारी अतुल मित्तल मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाकर जांच शुरू कर दी।

सागर में छाए बादल, दिन का पारा 2 डिग्री लुढ़का ट्रफ के असर से बदला मौसम

मीडिया ऑडीटर,सागर (निप्र)। गर्मी के बीच सागर के मौसम ने करवट बदली है। आसमान में बादल छाए हुए हैं। बादलों के बीच धूप-छांव का दौर जारी है। अचानक बदले मौसम और बादल छाने से दिन और रात के तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। रविवार को बादलों की आवाजाही के बाद सोमवार सुबह से आसमान में बादल छाए हुए हैं। हवाएं चल रही है। जिससे लोगों को झुलसाने वाली गर्मी से थोड़ी राहत मिली है। इस समय सागर का अधिकतम तापमान अधिकतम तापमान 38.7 डिग्री और न्यूनतम पारा 25 डिग्री सेल्सियस बना हुआ है। पिछले 24 घंटे में दिन के पारे में 2.8 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार, शहर के मौसम में उतार-चढ़ाव ट्रफ के असर के कारण हो रहा है। ट्रफ के पश्चिमी प्रभाव क्षेत्र में स्थित है। इसके कारण दोपहर बाद संवहनीय बादलों का विकास, गरज-चमक और स्थानीय स्तर पर आंधी-बारिश की स्थितियां बनने लगी हैं। यही सिस्टम आगामी दिनों में मानसून के आगमन की पृष्ठभूमि भी तैयार करेगा। अगले 48 घंटों के दौरान सुबह से धूप और दोपहर बाद बादलों की आवाजाही बढ़ेगी।

गड्ढे से अनियंत्रित होकर पलटा ट्रक देवीदास खिड़की के पास की घटना

महाराष्ट्र से कर्नाटक जा रहा था माल बाल-बाल बचे लोग

मीडिया ऑडीटर बुरहानपुर। बुरहानपुर में इंदौर-इच्छापुर हाईवे पर सोमवार तड़के करीब 5 बजे एक सड़क हादसा हो गया। देवीदास खिड़की के पास सड़क पर बने गहरे गड्ढों के कारण कपड़ों की गठानों से भरा एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। यह ट्रक महाराष्ट्र से कर्नाटक की ओर जा रहा था। गनीमत रही कि सुबह का समय होने के चलते सड़क पर यातायात कम था, जिससे इस दुर्घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। उशहर के बीच चल रहे डिवाइडर निर्माण के कारण सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि ये गड्ढे अब जानलेवा बन चुके हैं और इनकी वजह से छोटी गाड़ियां आए दिन दुर्घटनाग्रस्त हो रही हैं। इसके

बावजूद नगर निगम प्रशासन द्वारा इन गड्ढों को भरने या सुरक्षा के लिए बैरिकेडिंग लगाने के संबंध में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है।

डिवाइडर का काम पूरा, लेकिन सड़क अब भी बदहाल: इंदौर-इच्छापुर हाईवे पर शनवारा से गणपति नाका तक डिवाइडर का निर्माण कार्य कई महीनों से चल रहा था, जो अब पूरा हो चुका है। हालांकि, निर्माण के बाद सड़क को अभी तक व्यवस्थित नहीं किया गया है, जिसके चलते वाहन चालकों को आवागमन में काफी परेशानी हो रही है। हाईवे के फोरलेन का काम भी जारी है, लेकिन बुरहानपुर शहर के हिस्से में यह कार्य अभी तक शुरू नहीं हो सका है।

नागरिकों ने की अस्थायी बैरिकेडिंग और मरम्मत की मांग: लगातार हो रहे हादसों और परेशानियों को देखते हुए स्थानीय नागरिकों ने निगम प्रशासन से तुरंत कदम उठाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि जब तक फोरलेन का काम शहर में शुरू नहीं होता, तब तक इस खराब सड़क को दुरुस्त कराया जाए। भविष्य में होने वाली किसी भी अनहोनी को रोकने के लिए सड़क पर तत्काल अस्थायी बैरिकेडिंग और रिफ्लेक्टर लगाए जाने चाहिए।

विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित सुरक्षित एवं पौष्टिक भोजन को स्वस्थ जीवन की आधारशिला बताया

मीडिया ऑडीटर विदिशा। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर खाद्य सुरक्षा प्रशासन, द्वारा अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन को सुरक्षित, स्वच्छ एवं पौष्टिक खाद्य पदार्थों के महत्व तथा खाद्य सुरक्षा मानकों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में नागरिकों, खाद्य कारोबारकर्ताओं, विद्यार्थियों तथा विभिन्न सामाजिक एवं व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रमुख प्रावधानों की विस्तृत जानकारी देते हुए खाद्य पदार्थों के उत्पादन, भंडारण, परिवहन एवं विक्रय में स्वच्छता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने उपस्थित लोगों को खाद्य सामग्री खरीदते समय एफएसएसएआई लाइसेंस अथवा पंजीयन, निर्माण तिथि, उपयोग अवधि (एक्सपायरी डेट) तथा पैकेजिंग की सावधानीपूर्वक जांच करने की सलाह दी। विशेषज्ञों ने स्वस्थ एवं संतुलित आहार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए खाद्य पदार्थों में मिलावट की पहचान तथा खाद्य जनित रोगों की रोकथाम के उपायों की जानकारी भी साझा की। कार्यक्रम में बताया गया कि सुरक्षित भोजन न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य की रक्षा करता है, बल्कि एक स्वस्थ, सक्षम और सशक्त समाज के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा नागरिकों से अपील की गई कि वे केवल स्वच्छ, गुणवत्तापूर्ण एवं प्रमाणित खाद्य पदार्थों का ही उपयोग करें। साथ ही किसी भी प्रकार की खाद्य मिलावट, दूषित खाद्य सामग्री अथवा खाद्य सुरक्षा संबंधी अनियमितताओं की सूचना तत्काल संबंधित विभाग को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। इस अवसर पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी संदीप वर्मा, किरण श्रीवास्तव एवं सुश्री कुदसिया खान ने उपस्थित नागरिकों की जिज्ञासाओं का समाधान किया तथा कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से बचाव के लिए पौष्टिक एवं संतुलित खाद्य पदार्थों के सेवन की सलाह दी। कार्यक्रम में कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी मिताली मेहरा, रवि तलरेजा (अध्यक्ष, चैंबर ऑफ कॉमर्स), महिपाल सिंह राजपूत एवं आनंद अग्रवाल (होटल रेस्टोरेंट एसोसियेशन), रामूराम जाट (राजस्थान स्वीट, किराना एवं व्यापार संघ), श्याम सुंदर शर्मा (वरिष्ठ समाजसेवी, अपना घर) सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं बेतवांचल कॉलेज के विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम के अंत में सुरक्षित भोजन, स्वस्थ जीवन और खाद्य सुरक्षा के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया गया तथा आमजन से खाद्य सुरक्षा मानकों के प्रति सजग रहने का आह्वान किया गया।

सीहोर में तेज हवाओं के साथ 36 मिमी बारिश

तापमान में गिरावट; गर्मी से मिली राहत खरीफ की बुवाई के लिए किसान उत्साहित

मीडिया ऑडीटर सीहोर। सीहोर जिला मुख्यालय और तहसील क्षेत्र में मौसम ने अचानक करवट ली है। तेज हवाओं के साथ हुई झमाझम बारिश से पूरा इलाका तरबतर हो गया। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, सीहोर तहसील क्षेत्र में कुल 36 मिलीमीटर (लगभग 1.41 इंच) बारिश दर्ज की गई है। इस अच्छी बारिश से लोगों को भीषण गर्मी और उमस से बड़ी राहत मिली है। बारिश के कारण पिछले 24 घंटों में तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है। जिले का अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। सुबह से छाए बादलों और ठंडी हवाओं के चलते लोगों ने एसी और कूलर बंद कर दिए हैं और मौसम में हल्की ठंडक महसूस की जा रही है। दोपहर बाद हुई इस सवा इंच बारिश से कई सड़कों और निचले इलाकों में जलभराव भी देखने को मिला।

खरीफ फसलों की बुवाई के लिए अमृत बनी बारिश: यह मानसूनी बारिश खेती-किसानी के लिए बेहद फायदेमंद साबित हो रही है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, यह बारिश खेतों की तैयारी और आगामी खरीफ फसलों की बुवाई के लिए बिल्कुल अमृत के समान है। अच्छी बारिश देखकर क्षेत्र के किसान काफी उत्साहित हैं और बुवाई की तैयारियों के लिए उन्होंने खेतों की ओर रुख करना शुरू कर दिया है। अगले 48 घंटों के लिए गरज-चमक के साथ बारिश का अलर्ट बारिश का यह दौर अभी थमने वाला नहीं है। मौसम विभाग ने अलर्ट जारी करते हुए बताया है कि अगले 24 से 48 घंटों के दौरान सीहोर और इसके आसपास के इलाकों में गरज-चमक के साथ तेज बारिश जारी रहने की पूरी संभावना है।

खंडवा में चचेरे भाई पर बहन से दुष्कर्म का आरोप युवती ने घर लौटी मां को बताई दास्तां

बोलीं- अकेला पाकर दरिंदगी करता था भाई

मीडिया ऑडीटर खंडवा। खंडवा के पिपलोद थाना क्षेत्र में एक 18 वर्षीय युवती ने अपने 33 वर्षीय चचेरे भाई पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। युवती का कहना है कि जिस व्यक्ति को वह हमेशा सगे भाई से भी ज्यादा सम्मान देती थी, उसी ने उसके भरोसे और रिश्ते को तोड़ दिया। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। घटना के बाद से आरोपी फरार है और उसकी तलाश की जा रही है। रविवार देर रात पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया गया, जबकि सोमवार को उसके बयान मजिस्ट्रेट के सामने दर्ज किए जाएंगे। घटना खंडवा जिले के पिपलोद थाना क्षेत्र की है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपी उसका चचेरा भाई है। परिवार के बीच नजदीकी रिश्ते होने के कारण उसका घर आना-जाना लगा रहता था। इसी भरोसे का फायदा उठाकर उसने कथित रूप से युवती के साथ कई बार दुष्कर्म किया। एक महीने से करता रहा शोषण, पीड़िता का आरोप पीड़िता का आरोप है कि 16 मई से आरोपी जब भी मौका मिलता, उसके घर पहुंच जाता था। घर में अकेला पाकर वह उसके साथ जबरदस्ती करता था। युवती का कहना है कि कई बार उसने विरोध भी किया, लेकिन आरोपी उसकी बात नहीं मानता था। पीड़िता ने बताया कि दो-तीन बार जब वह घर पर नहीं मिली तो आरोपी खेत तक पहुंच गया और वहां भी उसके साथ जबरदस्ती की। युवती के मुताबिक वह लंबे समय तक डर और सामाजिक बदनामी के कारण किसी को कुछ नहीं बता सकी। मां के इंदौर जाने का फायदा उठाया पीड़िता की मां ने बताया कि उनकी बड़ी बेटी का बच्चा बीमार था और उसका इलाज इंदौर में चल रहा था। बच्चे की देखभाल के लिए वह कुछ समय के लिए इंदौर चली गई थीं। घर पर उनकी छोटी बेटी, पति और सास मौजूद थे। पति अक्सर खेती के काम से बाहर रहते थे, जबकि सास मोहल्ले की अन्य महिलाओं के साथ समय बिताने चली जाती थीं। इसी दौरान आरोपी ने घर में अकेली मौजूद युवती को निशाना बनाया।

मां के लौटने पर बताई आपबीती: पीड़िता ने बताया कि वह लगातार मानसिक दबाव में थी। जब उसकी मां इंदौर से वापस लौटीं, तब उसने हिम्मत जुटाकर अपने साथ हुई पूरी घटना की जानकारी उन्हें दी। मां के अनुसार बेटी ने बताया कि आरोपी पिछले एक महीने से उसके साथ गलत काम कर रहा था। बेटी की बात सुनने के बाद परिवार उसे लेकर सीधे थाने पहुंचा और शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने दर्ज किया मामला: शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। अधिकारियों के अनुसार आरोपी की उम्र 33 वर्ष है और वह घटना के बाद से फरार चल रहा है। पुलिस की टीम उसकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर तलाश कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

शिकायत के बाद समझौते का दबाव: पीड़िता की मां ने आरोप लगाया है कि थाने में शिकायत दर्ज कराने के बाद कुछ रिश्तेदारों ने उन पर समझौता करने का दबाव बनाया। परिवार से कहा गया कि मामला आपस में सुलझा लिया जाए, लेकिन उन्होंने न्याय के लिए कानूनी कार्रवाई का रास्ता चुना।

आरोपी के भाई पर धमकी देने का आरोप: मां का यह भी आरोप है कि रिपोर्ट दर्ज होने के बाद आरोपी के भाई ने उन्हें और उनकी बेटी को धमकी दी। उसने कथित रूप से कहा कि यदि मामला वापस नहीं लिया गया तो मां-बेटी को जान से मार दिया जाएगा।

परिवार ने पुलिस को इस संबंध में भी जानकारी दी है और सुरक्षा की मांग की है। पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया के तहत रविवार देर रात पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया। मेडिकल रिपोर्ट जांच का महत्वपूर्ण हिस्सा होगी और उसे केस डायरी में शामिल किया जाएगा।

कोर्ट में दर्ज होंगे बयान पुलिस के अनुसार सोमवार को पीड़िता के बयान न्यायालय में मजिस्ट्रेट के समक्ष दर्ज कराए जाएंगे। इसके बाद मामले की जांच आगे बढ़ाई जाएगी। पुलिस का कहना है कि सभी तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर निष्पक्ष कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल आरोपी फरार है और पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है। वहीं पीड़िता और उसके परिवार ने आरोपी की जल्द गिरफ्तारी तथा सख्त कार्रवाई की मांग की है।

नर्मदापुरम में लूट के लिए बुजुर्ग पर हमला गंभीर:खेत में सो रही थी, सिर पर ईंट मारी

चांदी के कड़े और जेवर ले उड़े बदमाश

मीडिया ऑडीटर नर्मदापुरम। नर्मदापुरम जिले के तालनगरी गांव में रविवार-सोमवार की दरमियानी रात लूट की एक खौफनाक वारदात सामने आई है। खेत में बनी टपरिया (अस्थायी झोपड़ी) में अकेली सो रही 85 वर्षीय बुजुर्ग महिला के सिर पर बदमाशों ने जानलेवा हमला कर दिया। आरोपी बुजुर्ग के शरीर से चांदी के कड़े और अन्य जेवर लूटकर फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल महिला को नर्मदापुरम के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। बुजुर्ग के पोते गोविंद कीर ने बताया कि सोमवार सुबह करीब 8:30 बजे उनके चाचा छोटेलाल खेत पहुंचे थे। वहां उन्होंने अपनी मां को खटिया से करीब 10 फीट दूर जमीन पर बेहोशी की हालत में पड़ा देखा। उनके सिर से काफी खून बह चुका था और कपड़े भी खून से

सने हुए थे। परिजनों ने तुरंत शरीर की जांच की, तो हाथों से चांदी के कड़े और अन्य जेवर गायब मिले।

सोते समय सिर पर ईंट से हमले की आशंका: घटनास्थल का मंजर देखकर पुलिस और परिजनों ने हत्या के प्रयास और लूट की आशंका जताई है। खटिया पर बिछी चादर और जमीन पर काफी खून पड़ा मिला है। वहीं, खटिया के पास एक ईंट भी पड़ी मिली है। अंदेशा है कि सोते समय ही बदमाशों ने बुजुर्ग के सिर पर ईंट से हमला किया। जान बचाने के लिए बुजुर्ग उठी होंगी और कुछ दूर जाकर गिर गई, जिसके बाद बदमाशों ने जेवर लूट लिए। निर्माण कार्य की देखरेख के लिए खेत पर रहती थीं बुजुर्ग परिवार का मुख्य मकान गांव में है, जबकि खेत पर नया मकान निर्माणाधीन है।

निर्माण कार्य की देखरेख के लिए बुजुर्ग महिला और उनका बेटा छोटेलाल खेत पर बनी अस्थायी टपरिया में रहते थे। रविवार रात किसी काम से छोटेलाल गांव वाले मकान में ही रुक गए थे। इसी सूनेपन का फायदा उठाकर अज्ञात बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया।

एफएसएल और डॉग स्क्वॉड ने जुटाए साक्ष्य: घटना की जानकारी मिलते ही देहात थाना प्रभारी सौरभ पांडे, एसआई अरविंद बेले और खुमान सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया।

फ्रेंच ओपनः

5 सेट के रोमांचक मुकाबले में कोबोली को हराकर ज्वेरेव ने जीता मेंस सिंगल्स खिताब

नई दिल्ली एजेंसी। पेरिस । जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने रविवार को फ्रेंच ओपन के मेंस सिंगल्स फाइनल में इटली के फ्लेवियो कोबोली को 6-1, 4-6, 6-4, 6-7 (5), 6-1 से मात देकर अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीत लिया है। कोर्ट फिलिप-चैट्रियर पर 4 घंटे 20 मिनट तक चले इस मुकाबले में, ज्वेरेव ने 2-1 की बढ़त गंवाने के बाद वापसी करते हुए निर्णायक पांचवें सेट में फ्रेंच ओपन का खिताब अपने नाम किया। इसी के साथ ग्रैंड स्लैम खिताब के लिए ज्वेरेव का लंबा इंतजार खत्म हो गया। इससे पहले उन्हें साल 2020 में यूएस ओपन, साल 2024 में रोलैंड गैरोस और साल 2025 में ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। यह ज्वेरेव के करियर का एक अहम खिताब है। उन्होंने पहले ही 2 एटीपी फाइनल्स खिताब, 7 मास्टर्स 1000 खिताब और 1 ओलंपिक गोल्ड जीता था, लेकिन अब 29 वर्षीय खिलाड़ी अपनी शानदार उपलब्धियों में एक ग्रैंड स्लैम खिताब भी जोड़ लिया है। वह 1937 में हेनर हेनकेल के बाद फ्रेंच ओपन जीतने वाले पहले जर्मन पुरुष खिलाड़ी बने हैं, और 1996 में बोरिस बेकर की ऑस्ट्रेलियन ओपन जीत के बाद कोई भी ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले पहले जर्मन पुरुष खिलाड़ी बने।

फाइनल की शुरुआत में ज्वेरेव ने शानदार खेल दिखाया और पहले ही गेम में कोबोली की सर्विस तोड़ दी। उन्होंने बेसलाइन पर तुरंत अपना दबदबा बना लिया, क्योंकि उनकी सर्विस और ग्राउंडस्ट्रोक इटैलियन खिलाड़ी के लिए बहुत दमदार साबित हुए। कोबोली कोई लय नहीं ढूंढ पाए और पहला सेट सिर्फ 34 मिनट में खत्म हो गया, लेकिन अपने पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल में खेल रहे कोबोली ने दूसरे सेट में शानदार वापसी की। 24 वर्षीय खिलाड़ी ने खुलकर अटैक किया और चालाकी भरे ड्रॉप शॉट्स का इस्तेमाल किया। 4-4 के स्कोर पर उन्हें तब सफलता मिली, जब ज्वेरेव का फोरहैंड शॉट बाहर चला गया।

इटैलियन खिलाड़ी ने मजबूती से अपनी सर्विस बचाई और मैच को बराबरी पर ला दिया, जिससे पेरिस के दर्शकों का उत्साह बढ़ गया। तीसरा सेट निर्णायक साबित हुआ। 10वें गेम तक दोनों खिलाड़ियों ने अपनी सर्विस बचाए रखी, लेकिन कोबोली की कई गलतियों ने ज्वेरेव को एक अहम ब्रेक दिलाया। इसके बाद उन्होंने सेट जीतकर लंबे समय से प्रतीक्षित बड़े खिताब की ओर एक और कदम बढ़ाया।

हालांकि, चौथे सेट में ज्वेरेव पर दबाव साफ दिखा। उन्होंने पहले गेम में कोबोली को ब्रेक का मौका दिया और फिर 4-3 से पीछे रहते हुए सर्विस करते समय भी गलती की। जर्मन खिलाड़ी ने संघर्ष करते हुए स्कोर 5-5 तक पहुंचाया, लेकिन टाई-ब्रेक में इटैलियन खिलाड़ी की शानदार वापसी को नहीं रोक पाए। इटैलियन खिलाड़ी 1-3 से पीछे होने के बावजूद वापसी करते हुए सेट प्वाइंट पर एक बेहतरीन फोरहैंड विनर के साथ टाई-ब्रेक जीता और मैच को निर्णायक सेट तक ले गए।

कोबोली के पक्ष में मोमेंटम होने और ज्वेरेव के फिर से लड़खड़ाने के कारण, ऐसा लग रहा था कि फाइनल उनके हाथ से निकल रहा है, लेकिन जर्मन खिलाड़ी ने मैच का अपना सर्वश्रेष्ठ टेनिस खेला।

चौथे सेट के टाई-ब्रेक में संघर्ष के बावजूद, ज्वेरेव ने पांचवें सेट में तुरंत बेहतर खेल दिखाया। शानदार सर्विस और 83 प्रतिशत फर्स्ट-सर्व प्वाइंट जीतने के साथ-साथ लगातार ग्राउंडस्ट्रोक से इटैलियन खिलाड़ी को गलतियां करने पर मजबूर किया। दूसरे वरीयता प्राप्त ज्वेरेव ने शुरुआत में ही कोबोली की सर्विस तोड़ी और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा; उन्होंने अपने सामने आए सभी चार ब्रेक प्वाइंट बचाए और 6-1 से जीत हासिल की।

फीफा विश्वकप के बाद संन्यास ले सकते हैं नेमार

रियो डि डिनेरियो नई दिल्ली एजेंसी। ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार 11 जून से अमेरिका , मैक्सिको और कनाडा में होने वाले विश्वकप फुटबॉलज के बाद खेल से संन्यास ले सकते हैं। इसके संकेत नेमार की सोशल मीडिया पर की गयी एक टिप्पणी से मिले हैं। 34 वर्षीय के इस फॉरवर्ड ने अपनी इस टिप्पणी में ऐसे संकेत दिए हैं कि जिससे प्रशंसकों को लग रहा है कि वह इस विश्वकप के बाद मैदान पर नहीं दिखेंगे। इसके बाद से ही उनके संभावित संन्यास को लेकर अटकलें जारी हैं।

फीफा ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर नेमार के करियर की कुछ यादगार तस्वीरों के साथ एक भावुक पोस्ट साझा की। इस पोस्ट में लिखा था, हमने उन्हें बड़ा होते देखा है। यह संदेश नेमार के खेल जगत में उनके लंबे सफर और उनकी पहचान को दिखाता है। इस संदेश पर नेमार की एक प्रतिक्रिया से उनके खेल को अलविदा कहने के संकेत नजर आये हैं। उन्होंने सिर्फ तीन शब्द लिखे–द लास्ट डांस। यह शब्द खेल जगत में किसी बड़े खिलाड़ी के करियर के अंतिम पड़ाव से जुड़े हैं। नेमार की इस टिप्पणी को व्यापक रूप से अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने की उनकी योजना के रूप में देखा जा रहा है। गौरतलब है कि खेल जगत में द लास्ट डांस का अपना एक खास महत्व है। यह अक्सर किसी महान खिलाड़ी के करियर के अंतिम और निर्णायक पड़ाव से जुड़ा होता है। जैसा कि एनबीए के दिग्गज बास्केटबॉल स्टार माइकल जॉर्डन के शिकागो बुल्स के साथ 1997-98 के अंतिम चैम्पियनशिप सत्र के दौरान हुआ था। जॉर्डन के उस ऐतिहासिक सत्र को भी द लास्ट डांस के नाम से जाना जाता है, जब उन्होंने अपनी टीम को छठी एनबीए चैम्पियनशिप दिलाई थी। नेमार द्वारा इस शब्द के प्रयोग ने उनके भविष्य को लेकर अटकलों को और तेज कर दिया है, क्योंकि यह एक संकेत हो सकता है कि वे अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को एक यादगार अंत देना चाहते हैं।

ब्राजील फुटबॉल में नेमार का योगदान अहम रहा है। उन्होंने अब तक 128 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और 79 गोल के साथ सबसे अधिक गोल का रिकार्ड उनके नाम है। वह कई साल तक आक्रमण पंक्ति के प्रभारी रहे हैं। मैदान पर रचनात्मकता, ड्रिबलिंग कौशल और गोल करने की क्षमता के लिए वह जाने जाते हैं।

हाल के कुछ साल से नेमार चोटों से काफी रहे रहे हैं, जिसने उनके करियर की निरंतरता पर असर डाला है। अक्टूबर 2023 में एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट की गंभीर चोट के बाद से वे पूरी तरह से वापसी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इस बड़ी चोट के बाद हाल ही में पिंडली की मांसपेशियों में खिंचाव ने उनकी फिटनेस चिंताओं को और बढ़ा दिया है। इन चोटों के कारण, 13 जून को मोरक्को के खिलाफ ब्राजील के शुरुआती वर्ल्ड कप मुकाबले में उनके खेलने पर भी संशय बना हुआ है।

ओलंपिक पदक जीतना है सपना : अनाहत

नई दिल्ली एजेंसी। । भारत की शीर्ष महिला स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह का कहना है कि उनकी लक्ष्य 2028 लॉस एंजिलिस 2028 खेलों में पदक जीतना है। अनाहत ने कहा कि ओलंपिक में पदक जीतने की चाहत हर खिलाड़ी में होती है। अनाहत ने कहा, यह पहली बार है जब इस खेल कोओलंपिक में जगह मिली है सभी खिलाड़ी इस अवसर का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा, इससे पहले कोई भी स्क्वाश खिलाड़ी अधिक से अधिक राष्ट्रमंडल खेलों में खेल सकता था पर अब ओलंपिक में भी वह अपनी प्रतिभा दिखा सकता है। अनाहत ने कहा, अगले कुछ साल में मेरा लक्ष्य देश के लिए पदक जीतना रहेगा। अनाहत ने कहा कि वह एक समय में एक ही टूर्नामिंट पर ध्यान केंद्रित करतीहैं। वहीं पुरुष वर्ग में स्टार खिलाड़ी रमित टंडन ने कहा कि इस खेल को ओलंपिक में शामिल किए जाने से अब कारपोरेट जगत का ध्यान भी इसकी ओर गया है। रमित ने कहा, ओलंपिक विश्व खेल जगत का सबसे बड़ा आयोजन है और उसमें खेलना सभी का सपना होता है।

महंगी कीमतों से फीफा विश्व कप 2026 के प्रति प्रशंसकों का आकर्षण घटा

न्यूयॉर्क । 11 जून से अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में संयुक्त रुप से शुरु होने जा रहे फीफा विश्वकप फुटबॉल को लेकर प्रशंसकों में वैसा उत्साह नहीं दिखता जो आम तौर पर देखा जाता है। इस कारण विश्वकप के महंगे टिकट, तीन देशों के बीच यात्रा का अत्यधिक खर्च और अमेरिका में प्रवेश संबंधी दिक्कतें हैं। इससे प्रशंसक घर से ही मैच देखना चाहते हैं। इंग्लैंड के एक ऐसे ही प्रशंसका का कहना है कि उससे पिछले चार विश्व कप देखें पर इस बार वह यूरोप में ही रहकर टूर्नामेंट के कुछ मुकाबलों का आनंद पुर्तगाल के समुद्र तट पर लगी स्क्रीन में उठाएगा। वहीं अर्जेंटीना के प्रशंसक ने कहा कि वह इस बार केवल दो मैच देखकर ही स्वदेश लौट जाएगा। इससे साफ संकेत मिल रहे हैं कि इस बार पहले की तादाद में कम प्रशंसक विश्वकप में दिखेंगे। विश्व कप के दौरान अपनी टीम का समर्थन करने के लिए लंबी छुट्टियां लेकर विदेश यात्रा करने वाले प्रशंसक आमतौर पर धानी वर्ग से आते हैं पर पिछले टूर्नामेंटों में सीमित साधनों वाले प्रशंसक भी वर्षों तक बचत कर इस विश्वकप में पहुंच जाते थे पर इस बा कीमतें अधिक होने से उनकी कमी रहेगी।

पिछली बार, ग्रुप चरण के सबसे निचले श्रेणी के टिकट 69 डॉलर में उपलब्ध थे। वहीं इस बार, फीफा उन्हीं टिकटों को 265 डॉलर तक में बेच रहा है, जो चार गुना से भी अधिक की कीमत है। इसके अलावा, रूस 2018 और कतर 2022 विश्व कप में मेजबान शहरों के बीच निःशुल्क परिवहन सुविधा दी गई थी, जबकि अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में फैले 16 स्टेडियमों के बीच यात्रा करना कहीं अधिक महंगा साबित रहेगा। पहले, फीफा के आधिकारिक पुनर्विक्रय रीसेल मंच पर टिकट मूल कीमत से अधिक पर नहीं बेचे जा सकते थे पर इस बार, संस्था ने प्रशंसकों को अपनी इच्छानुसार ऊंची कीमत पर टिकट बेचने की अनुमति दे दी है और हर लेनदेन पर 30 फीसदी शुल्क भी वसूल रही है। वहीं फीफा का कहना है किटिकटों की अधिक कीमतों के बाद भी मांग पर विशेष असर नहीं पड़ा है। प्रशंसकों का मानन है कि इस बार कीमतें काफी अधिक हैं। उनके मुताबिक, अमेरिका अब तक का सबसे खराब मेजबान साबित होगा।

बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया टीम का ऐलान

हेड-मार्श को आराम

नई दिल्ली एजेंसी। बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया टीम का ऐलान कर दिया गया है। कंगारू टीम इस सीरीज में ट्रेविस हेड और मिचेल मार्श के बिना खेलेगी। जोश इंग्लिस के हाथों में टीम की कमान सौंपी गई है। नेशनल सिलेक्टर टोनी डोडेमेड के मुताबिक, हेड को शुरू में बांग्लादेश के खिलाफ वनडे और टी20 इंटरनेशनल दोनों के लिए चुना गया था, लेकिन उन्हें दोनों सीरीज के लिए निजी कारणों की वजह से छुट्टी दी गई है। वहीं, मार्श अपने टखने की चोट से उबर नहीं सके हैं। हालांकि, वह बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए ढाका में टीम से जुड़ेंगे। ऑस्ट्रेलिया के लिए अब तक सिर्फ टेस्ट मैच खेलने वाले टॉड मर्फी को पहली बार वनडे टीम में जगह दी गई है। उन्हें तनवीर संघा के स्थान पर मौका दिया गया है, जो हैमस्ट्रिंग की इंजरी से जूझ रहे हैं। तनवीर को यह चोट पाकिस्तान के खिलाफ लाहौर में हुए दूसरे वनडे मैच के दौरान लगी थी। ओलिवर पीक और मैट शॉर्ट को बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए टीम में रखा गया है। इन दोनों खिलाड़ियों को पहले सिर्फ पाकिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम में चुना गया था। बेन ड्वारशुइस और जेवियर बार्टलेट को भी टीम में शामिल किया गया है, जो राइली मेरेडिथ और बिली स्टैनलेक की जगह लेंगे। मेरेडिथ टी20 इंटरनेशनल सीरीज में वापसी करेंगे। मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड की गैरमौजूदगी के कारण वनडे में टीम के गेंदबाजी अटैक में अनुभव की कमी नजर आई है। हालांकि, इंग्लिस का कहना है कि यह युवा खिलाड़ियों के लिए अपनी काबिलियत साबित करने का सुनहरा मौका है।

वनडे सीरीज की शुरुआत 9 जून से होगी। सीरीज का दूसरा मुकाबला 11 जून और तीसरा और अंतिम मैच 14 जून को खेला जाना है। एकदिवसीय सीरीज के सभी मुकाबले ढाका के शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। वनडे सीरीज के बाद दोनों टीमें तीन मैचों की टी20 सीरीज में भिड़ेंगी, जिसकी आगाज 17 जून से होगा। बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया का स्क्वॉडः जोश इंग्लिस (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, एलेक्स कैरी, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, मैथ्यू कुहनेमन, मार्नस लाबुशेन, टॉड मर्फी, ओलिवर पीक, मैथ्यू रेनशॉ, लियाम स्कॉट, मैट शॉर्ट, एडम जम्पा।

संन्यास के सवाल पर भड़कीं हरमनप्रीत

लंदन एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम इस समय टी20 विश्वकप खेलने के लिए लंदन गयी हुई है। इसी दौरान सभी कप्तानों के लिए आयोजित एक संयुक्त पत्रकार वार्ता में संन्यास को लेकर पूछे गये सवाल पर भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर भड़क गयीं। हरमनप्रीत ने उल्टे उस रिपोर्टर से ही पूछ लिया कि वह इस प्रकार के सवाल क्यों पूछ रहा है। इस बातचीत का एक वीडियो भी।

सोशल मीडिया पर आया है। इसमें दिख रहा है कि हर पत्रकार वार्ता में रिपोर्टर बारी-बारी से हर कप्तान से सवाल पूछे जा रहे थे। जब भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर की बारी आई, तो एक रिपोर्टर ने उनसे सीधा सवाल किया, क्या यह आपका आखिरी विश्व कप है? आप इस पर क्या कहना चाहेंगी? इस सवाल पर हरमनप्रीत ने उलटे रिपोर्टर से ही पूछ लिया। उन्होंने कहा, यह मेरा आखिरी विश्व कप क्यों? क्या आप चाहते हैं कि मैं सन्यास ले लूं? हरमनप्रीत के इस तीखे जवाब से रिपोर्टर झेंप गया। उसने तुरंत अपनी बात संभालते हुए कहा, नहीं, मैं बस जानना चाह रहा था। मुझे यह सुनकर अच्छा लगा कि यह आपका आखिरी विश्व कप नहीं है।

डेयू मैच में ही अबूझ पहेली बने मानव सुथार

पहली पारी में 152 रनों पर सिमटी अफगानिस्तान टीम

न्यू चंडीगढ़ एजेंसी। भारत और अफगानिस्तान के बीच एकमात्र टेस्ट मुकाबला मुल्लांपुर के महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। भारत द्वारा बनाए गए 564 रनों के जवाब में अफगानिस्तान की पूरी टीम पहली पारी में 152 रन बनाकर सिमट गई। मानव सुथार विपक्षी टीम के बल्लेबाजों के लिए अबूझ पहेली साबित हुए। टेस्ट के तीसरे दिन अफगानिस्तान ने 113 पर 5 विकेट के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया और टीम ने अपने अगले 5 विकेट 39 रन जोड़कर गंवा दिए। अफगानिस्तान की तरफ से सिर्फ रहमत शाह ही भारतीय गेंदबाजों का टिककर सामना कर सके और उन्होंने 60 रनों की पारी खेली। हालांकि, उन्हें दूसरे छोर से बाकी बल्लेबाजों का साथ नहीं मिल सका।

तीसरे दिन की शुरुआत अफगानिस्तान के लिए अच्छी नहीं रही और अजमतुल्लाह उमरजई बिना खाता खोले प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर क्लीन बोल्ड हुए। इसके बाद शराफुद्दीन अशरफ भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और वह महज 11 रन बनाकर चलते बने। रहमत शाह अपनी पारी में 9 चौके और एक छक्के समेत 60 रन बनाने के बाद मानव सुथार की बेहतरीन गेंद पर क्लीन बोल्ड हुए। मोहम्मद सलीम खाता नहीं खोल सके, तो जियाउर रहमान 6 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, खरोटी 4 रन बनाकर नाबाद रहे।

मुकेबाज गंगा सिंह का लक्ष्य अंडर-23 एशियाई मुकेबाजी चैंपियनशिप में पदक जीतना

चंडीगढ़ एजेंसी। । हरियाणा के करनाल के मुक्केबाज गंगा सिंह को अगले माह 3 जुलाई से शुरू हो रही अंडर-23 एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। इस प्रतियोगिता में गंगा 55 किलोग्राम भारवर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। अब इस युवा मुक्केबाज का लक्ष्य जीत के साथ ही अंतरराष्ट्रीय मंच पर पदक जीतकर अपनी प्रतिभा को दिखाना रहेगा। बेंगलुरु के जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स सेंटर में अभ्यास करके गंगा ने कड़ी मेहनत और लगन से भारतीय टीम में जगह बनायी है। गंगा ने इससे पहले ऑस्ट्रेलिया और सर्बिया में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी स्वर्ण पदक जीतकर अपनी क्षमताएं दिखायी थीं। गंगा का लक्ष्य साल साल 2028 ओलंपिक खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करना है, इसी को देखते हुए वह जकार्ता में बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं। उनके नाम अब तक कई उपलब्धियां हैं। उन्होंने सला 2019 में दमनदीप में आयोजित स्कूल नेशनल मुक्केबाजी में कांस्य पदक जीता था। इसके अलावा, वह यूथ हरियाणा बॉक्सिंग चैंपियनशिप में दो बार स्वर्ण पदक विजेता रहे हैं। बेंगलुरु में आयोजित आरईसी ओपन चैंपियनशिप में भी उन्होंने स्वर्ण पदक जीता था। अखिल भारतीय बॉक्सिंग चैंपियनशिप और यूनिवर्सिटी बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भी उनके नाम स्वर्ण पदक है। उनके छोटे भाई रुद्र भी पैरा ओलंपिक प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी क्षमता का परिचय दे चुके।

आकार-2026 से सजेगा सरगुजा का सांस्कृतिक मंच

युवाओं को मिलेगा लोक कला और शिल्प का प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और लोक कला परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से संस्कृति विभाग द्वारा 'आकार-2026' पारंपरिक शिल्प एवं विविध कला प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल के निर्देश पर 8 से 14 जून तक सरगुजा संभाग के उदयपुर और लखनपुर में यह विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित होगा।

शिविर का उद्देश्य युवाओं में लोक कलाओं और पारंपरिक शिल्प के प्रति रुचि विकसित करना तथा विलुप्तप्राय कला विधाओं के संरक्षण को बढ़ावा देना है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को नृत्य, नाटक, वाद्ययंत्र, चित्रकला, क्ले आर्ट, म्यूरल आर्ट, हस्तकढ़ाई, ड्राई फ्लावर आर्ट, कोरिया कला, रजवार मिट्टी चित्र, मेहंदी, मृदा शिल्प, गोदना कला और बांस शिल्प सहित 14 पारंपरिक कला विधाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा।प्रदेश के ख्यातिप्राप्त कलाकार और अनुभवी कला गुरु प्रतिभागियों को कला के व्यावहारिक एवं तकनीकी पहलुओं से परिचित कराएंगे। उदयपुर में प्रशिक्षण शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में सुबह 8 से 11 बजे तक तथा लखनपुर में पीएमश्री स्कूल परिसर में शाम 5 से 8 बजे तक आयोजित होगा।महज 100 रुपये के पंजीयन शुल्क वाले इस शिविर में दिव्यांग एवं अनाथ बच्चों को विशेष छूट दी जाएगी। प्रशिक्षण पूर्ण होने पर प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे तथा उनकी कलाकृतियों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। 'आकार-2026' युवाओं को कला, संस्कृति और स्वरोजगार से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित होगा।

वृद्धजनों और दिव्यांगों को मिले सहायक उपकरण

प्रशासन की संवेदनशील पहल से जरूरतमंदों को मिली राहत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सुशासन तिहार 2026 केवल शिकायतों के निराकरण का मंच नहीं, बल्कि जरूरतमंद लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का माध्यम भी बन रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुसार जिलेभर में आयोजित समाधान शिविरों में वृद्धजनों और दिव्यांगजनों को आवश्यक सहायक उपकरण उपलब्ध कराकर प्रशासन ने संवेदनशीलता का उदाहरण प्रस्तुत किया है।जिले के विभिन्न विकासखंडों में आयोजित शिविरों के दौरान पात्र हितग्राहियों को वॉकर, वॉकिंग स्टिक और डिजिटल श्रवण यंत्र वितरित किए गए। इन उपकरणों के माध्यम से चलने-फिरने और दैनिक गतिविधियों में आने वाली कठिनाइयों को कम करने का प्रयास किया गया। धरमजयगढ़, लैलूंगा, खरसिया और रायगढ़ विकासखंडों में आयोजित शिविरों में अनेक वृद्धजनों एवं दिव्यांगजनों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप सहायक सामग्री प्रदान की गई। तारापुर में आयोजित शिविर का एक भावनात्मक दृश्य लोगों के बीच चर्चा का विषय बना, जब चलने-फिरने में असमर्थ एक हितग्राही को जनप्रतिनिधियों ने मंच से उतरकर स्वयं वॉकर और वॉकिंग स्टिक उपलब्ध कराई। शिविरों में समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांग प्रमाण पत्र, छात्रवृत्ति, उच्च शिक्षा प्रोत्साहन, सिविल सेवा प्रोत्साहन और दिव्यांग विवाह प्रोत्साहन जैसी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। सहायक उपकरण प्राप्त करने वाले हितग्राहियों ने कहा कि इनसे उनका जीवन अधिक सुगम होगा और आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। सुशासन तिहार के समाधान शिविर शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और त्वरित राहत उपलब्ध कराने का प्रभावी माध्यम बने हैं।

वनांचल के सपनों को मिल रहे पंख : छात्रवृत्ति योजना से बढ़ रहा बच्चों का आत्मविश्वास

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों के प्रतिभाशाली बच्चों की सफलता अब नई प्रेरणा बन रही है। तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों के मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान में स्पीकर हाउस राजनांदगांव में आयोजित कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले ये बच्चे अपनी नैसर्गिक क्षमता, प्रतिभा और आत्मविश्वास का शानदार परिचय दे रहे हैं।छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत सम्मानित विद्यार्थियों से संवाद करते हुए डॉ. सिंह ने उन्हें जीवन में स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत और लगन से आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि डॉक्टर और इंजीनियर बनने के साथ-साथ शिक्षक, प्रोफेसर, वकील तथा अन्य क्षेत्रों में भी सेवाएं देकर देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है।

नैनो उर्वरकों ने बढ़ाया भरोसा कम लागत में बेहतर उत्पादन से मिली नई राह

धान से लेकर सजियों तक दिखा सकारात्मक असर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों का बढ़ता उपयोग किसानों की आय और उत्पादन क्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सरगुजा जिले के लुंड्रा विकासखंड के ग्राम पसेना निवासी प्रगतिशील किसान गोविंद कुमार बेहरा इसकी मिसाल बनकर उभरे हैं। लगभग 17.75 एकड़ भूमि में खेती करने वाले गोविंद पिछले दो-तीन वर्षों से नैनो यूरिया और नैनो डीएपी का उपयोग कर रहे हैं और इसके सकारात्मक परिणामों से उत्साहित हैं।गोविंद बताते हैं कि उन्होंने शुरुआत में नैनो उर्वरकों का प्रयोग परीक्षण के रूप में किया था, लेकिन बेहतर परिणाम मिलने के बाद इसका उपयोग नियमित रूप से करने लगे। फसल में उन्हें उत्पादन और गुणवत्ता दोनों में सुधार देखने को मिला। उर्वरक पौधों तक पोषक तत्वों की प्रभावी आपूर्ति सुनिश्चित करते हैं, जिससे फसल का विकास बेहतर होता है।वे धान के साथ खीरा, बैंगन जैसी सब्जी फसलों की भी खेती करते हैं। उनका कहना है कि नैनो उर्वरकों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इन्हें कम मात्रा में आसानी से परिवहन और उपयोग किया जा सकता है। इससे किसानों का श्रम, समय और लागत तीनों की बचत होती है।गोविंद का मानना है कि वैज्ञानिक तरीके से उपयोग किए जाने पर नैनो उर्वरक उत्पादन बढ़ाने में सहायक हैं। भी आधुनिक तकनीकों को अपनाने और नैनो उर्वरकों के उपयोग के माध्यम से टिकाऊ एवं लाभकारी खेती की दिशा में आगे बढ़ने की अपील करते हैं।

सुशासन तिहार-2026 का जिला स्तरीय समाधान शिविर अमलीडीहकला में संपन्न

753 आवेदन प्राप्त, स्वास्थ्य विभाग ने 150 लोगों की जांच की, 5 हितग्राहियों को मिला निःशुल्क चश्मा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सुशासन तिहार-2026 के अंतर्गत खैरागढ़ जिले का अंतिम जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण एवं समाधान शिविर अमलीडीहकला में आयोजित किया गया। अमलीडीहकला क्लस्टर की ग्राम पंचायत ढोलियाकन्हार, दिलीपपुर, खजरी, कटंगीकला, मुहडबरी, अकरजन, कांचरी, टेकापारकला, कुलीकसा, भूलाटोला, बाजगुड़ा, एटीकसा, बैहाटोला, कोहकाबोड़, कटंगीखुर्द, विक्रमपुर एवं कोड़ेनवागांव सहित कुल 16 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण बड़ी संख्या में शिविर में पहुंचे और शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाया।

शिविर में कुल 753 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 750 मांग संबंधी एवं 3 शिकायत संबंधी आवेदन शामिल रहे। प्राप्त आवेदनों के निराकरण हेतु संबंधित विभागों द्वारा आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। कार्यक्रम का शुभारंभ विभागीय स्टॉलों के अवलोकन के साथ हुआ। विभिन्न विभागों द्वारा योजनाओं की जानकारी प्रदान करते हुए पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। शिविर में ग्रामीणों ने शासन की योजनाओं और सेवाओं की जानकारी प्राप्त कर अपनी समस्याओं एवं मांगों से प्रशासन को अवगत कराया। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने अपने संबोधन में कहा कि सुशासन तिहार शासन और जनता के बीच संवाद का प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। इसके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है तथा जनसमस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से विभिन्न योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने और शासन-प्रशासन के साथ निरंतर संवाद बनाए रखने का आह्वान किया। कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि सुशासन तिहार-2026 के अंतर्गत जिले में 19 समाधान

शिविरों का सफल आयोजन किया गया, जिनमें लगभग 22 से 24 हजार आवेदन प्राप्त हुए हैं। अधिकांश आवेदन मांग संबंधी हैं, जिन पर विभागीय स्तर पर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने कहा कि शिविरों के माध्यम से प्रशासन और आमजन के बीच सीधा संवाद स्थापित हुआ है तथा लोगों की समस्याओं के निराकरण में मदद मिली है। कलेक्टर ने बताया कि 9 जून से मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के नवीन स्वरूप का शुभारंभ किया जा रहा है, जिसका लाभ नागरिक उठा सकेंगे। उन्होंने सुशासन तिहार को सफल बनाने में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों एवं आम नागरिकों के सहयोग के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। शिविर में जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह, सभापति दिनेश वर्मा, नगर पालिका खैरागढ़ अध्यक्ष गिरजा चंद्राकर, पूर्व जिला पंचायत सदस्य धम्मन साहू, जनपद सदस्य किरण विक्रम मानिकपुरी, शैलेन्द्र मिश्रा, कोमल वर्मा, गोरेलाल, चंदू वर्मा, नीलिमा गोस्वामी, महेंद्र वर्मा, मंजीत सिंधु, वरिष्ठ नागरिक आयश सिंह बोनी, बिसेसर साहू, ग्राम पंचायत अमलीडीहकला के सरपंच उपेश वर्मा सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, 15 ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। वहीं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रेम कुमार पटेल, एसडीएम खैरागढ़ टांकेश्वर प्रसाद साहू तथा जनपद पंचायत सीईओ हिमांशु गुप्ता भी उपस्थित रहे।विभागीय स्टॉलों पर हितग्राहियों को मिला लाभ, स्वास्थ्य एवं आयुष शिविर में हुई जांच समाज कल्याण विभाग द्वारा 2 हितग्राहियों को वॉकिंग छड़ी तथा 1 हितग्राही को श्रवण यंत्र प्रदान किया गया। शिक्षा विभाग द्वारा 12 विद्यार्थियों को पेन-डायरी वितरित की गई। मत्स्य पालन विभाग द्वारा 2 हितग्राहियों को मछली पकड़ने का जाल एवं 2 हितग्राहियों को आइस बॉक्स प्रदान किया गया। सेवा सहकारी समिति द्वारा 7 किसानों को चेक का वितरण किया गया।महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 4 गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की गई तथा 4 हितग्राहियों को सुपोषण किट, 4 स्वच्छता किट एवं 4 फलदार पौधों का वितरण किया गया। उद्यानिकी विभाग द्वारा 2 हितग्राहियों को सब्जी मिनी किट तथा कृषि विभाग द्वारा 3 किसानों को ढेंचा बीज प्रदान किया गया। जनजागरूकता गतिविधियों का भी आयोजन किया गया। आयुष विभाग द्वारा आयोजित शिविर में 100 लोगों की ओपीडी जांच की गई। वहीं स्वास्थ्य विभाग द्वारा 150 लोगों की ओपीडी जांच, 112 लोगों का रक्तचाप परीक्षण एवं 112 लोगों की शुगर जांच की गई। 15 लोगों की नेत्र जांच कर 5 हितग्राहियों को निःशुल्क चश्मा वितरित किया गया तथा 5 आभा आईडी भी बनाई गई।

वनांचल में उतरी खुशहाली : पीएम जनमन से सच हुआ लखमुराम का पक्के घर का सपना साकार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के दूरस्थ और दुर्गम वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह के परिवारों के जीवन में प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) योजना एक नई रोशनी लेकर आई है। इस योजना ने नारायणपुर जिले के ओरछा विकासखंड के अंतर्गत आने वाले ग्राम गारपा के निवासी लखमुराम के जीवन की दिशा और दशा दोनों बदल दी है। वर्षों से कच्चे और जर्जर मकान में रहने को मजबूर इस आदिवासी परिवार को अब अपना पक्का भरा था सफर- टपकती छत और असुरक्षित भविष्य लखमुराम का परिवार पीढ़ियों से एक कच्चे मकान में गुजर-बसर कर रहा था। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण खुद का पक्का मकान बनाना उनके लिए एक दूर का सपना था। हर साल मानसून आते ही परिवार की चिंताएं बढ़ जाती थीं। बरसात के मौसम में घर की छत से लगातार पानी टपकता था। तेज हवाएं, कड़कड़ाती ठंड और अन्य प्राकृतिक आपदाओं के बीच पूरा परिवार हमेशा डर के साये में जीने को मजबूर था। भरे घर के कारण बच्चों की शिक्षा पर भी इसका बुरा असर पड़ रहा था।

आधुनिक संसाधनों और वैज्ञानिक खेती से किसान ने रची सफलता की नई इबारत समय पर खाद-बीज मिलने से कृषि को मिली नई उड़ान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। दृढ़ इच्छाशक्ति, जागरूकता और आधुनिक कृषि तकनीकों का समन्वय किसी भी किसान की तकदीर बदल सकता है। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के गौरेला विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत लालपुर के प्रगतिशील किसान अमन प्रसाद आज इसकी जीवंत मिसाल बन चुके हैं। लगभग 7 एकड़ 50 डिसमिल कृषि भूमि के स्वामी अमन प्रसाद न केवल पारंपरिक फसलों का बंपर उत्पादन ले रहे हैं, बल्कि अपनी बाड़ी में उन्नत किस्म की सब्जियों की खेती कर अतिरिक्त मुनाफा भी कमा रहे हैं।

खेती के प्रति उनके समर्पण और नवाचारों को अपनाने की ललक ने उन्हें क्षेत्र के अन्य अन्नदाताओं के लिए एक प्रेरणास्रोत बना दिया है। अमन प्रसाद नियमित रूप से कृषि विभाग के संपर्क में रहते हैं और सहकारी समिति के माध्यम से मिलने वाली शासकीय योजनाओं व सुविधाओं का भरपूर लाभ उठा रहे हैं, जिसके सकारात्मक

परिणाम उनकी फसलों में साफ दिखाई देते हैं। समय पर संसाधन मिलने से आसान हुई राह हाल ही में अमन प्रसाद ने आगामी खरीफ सीजन की तैयारियों के लिए लालपुर सहकारी समिति से खाद और बीज लेने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने बताया कि इस वर्ष कृषि विभाग और समिति के तालमेल से उन्हें पर्याप्त मात्रा में उच्च गुणवत्तायुक्त खाद और प्रमाणित बीज बेहद आसानी से मिल गए। समय पर इन संसाधनों की उपलब्धता ने उनकी खेती की राह को निष्कंटक बना दिया, जिससे वे बुआई और अन्य कृषि कार्यों की सटीक प्लानिंग कर सके। पारदर्शी व्यवस्था की सराहना समिति की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए अमन प्रसाद ने कहा कि खाद-बीज वितरण की पूरी प्रक्रिया अत्यंत व्यवस्थित और पारदर्शी है। किसानों को अपनी जरूरत की सामग्रियां बिना किसी भागदौड़ या परेशानी के मिल रही आदानों (खाद-बीज) का सही समय पर मिलना ही खेती की सफलता की पहली सीढ़ी है। इससे न केवल उत्पादन लागत नियंत्रित रहती है, बल्कि फसल की गुणवत्ता और उपज में भी भारी वृद्धि होती है। यदि हर किसान को समय पर संसाधन और सही तकनीकी मार्गदर्शन मिले, तो कृषि को एक बेहद मुनाफे का सौदा बनाया जा सकता है।आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कद अमन प्रसाद की यह सफलता साबित करती है कि अगर परंपरागत अनुभवों के साथ आधुनिक एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण को जोड़ा जाए, तो ग्रामीण अर्थव्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव लाया जा सकता है।

आज वे खुद आत्मनिर्भर होने के साथ-साथ अपने आस-पास के दर्जनों गांवों के किसानों को भी कृषि विभाग की योजनाओं से जुड़ने और आधुनिक तौर-तरीके अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। ग्रामीण विकास और कृषि क्षेत्र में उनका यह प्रयास वास्तव में अनुकरणीय है।

नैनो उर्वरक से बदली खेती की तस्वीर वैज्ञानिक खेती और आधुनिक तकनीक से बढ़ा मुनाफा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों का उपयोग किसानों की आय और उत्पादन क्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। बालोद जिले के डौण्डीलोहारा विकासखंड अंतर्गत ग्राम नंगूटोला के प्रगतिशील किसान जाहिद अंसारी इसकी एक मिसाल हैं। नैनो उर्वरक के वैज्ञानिक उपयोग और कृषि विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन से उन्होंने अपनी खेती को अधिक लाभकारी और उत्पादक बना लिया है। करीब सात एकड़ भूमि में खेती करने वाले जाहिद अंसारी खरीफ सीजन में धान तथा रबी सीजन में चना और गेहूं की खेती करते हैं। खेती को

आधुनिक और रूप से कृषि विभाग की सलाह लेते हैं तथा प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति रेंगाडबरी से उन्नत बीज और आवश्यक उर्वरक प्राप्त करते हैं। इस वर्ष भी उन्होंने समय पर सहकारी समिति से पर्याप्त मात्रा में खाद और बीज प्राप्त कर लिया, जिससे खेती की तैयारियां सुचारु रूप से पूरी हो सकीं। खेती में बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों के मार्गदर्शन में अपने खेतों में नैनो उर्वरक का उपयोग किया। इसका प्रभाव फसलों पर स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। उनके अनुसार नैनो उर्वरक के प्रयोग से धान, चना और गेहूं की फसलों की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। साथ ही प्रति एकड़ उत्पादन में भी वृद्धि दर्ज की गई है। कम मात्रा में अधिक प्रभाव देने वाले नैनो उर्वरक ने खेती की लागत को नियंत्रित रखने में भी मदद की है, जिससे उनकी आय में सकारात्मक बढ़ोतरी हुई है। जाहिद अंसारी का मानना है कि आधुनिक किसान कम लागत में अधिक अत्यधिक निर्भरता कम कर नैनो उर्वरक के उपयोग की सलाह देते हैं, ताकि खेती को अधिक लाभकारी बनाया जा सके। वे छत्तीसगढ़ शासन की कृषक उन्नति योजना को भी किसानों के लिए बेहद उपयोगी बताते हैं। उनके अनुसार धान का बढ़ा हुआ समर्थन मूल्य और योजना के तहत प्राप्त अतिरिक्त राशि ने किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया है। वे इस अतिरिक्त आय का उपयोग खेती में नई तकनीकों और बेहतर संसाधनों के प्रयोग के लिए कर रहे हैं।

समय पर खाद-बीज और आधुनिक सोच ने बदली खेती की तस्वीर वैज्ञानिक खेती और बेहतर संसाधनों के सहारे बढ़ा उत्पादन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। खेती में सफलता केवल मेहनत से नहीं, बल्कि सही समय पर सही संसाधनों और आधुनिक तकनीकों के उपयोग से भी हासिल की जा सकती है। इसका उदाहरण हैं गोरेला-पेन्ड्रा-मारवाही जिले के गौरेला विकासखंड के ग्राम लालपुर निवासी प्रगतिशील किसान अमन प्रसाद, जिन्होंने वैज्ञानिक खेती को अपनाकर अपनी उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि की है। लगभग 7 एकड़ 50 डिसमिल कृषि भूमि में खेती करने वाले अमन प्रसाद पारंपरिक फसलों के साथ-साथ अपनी बाड़ी में सब्जियों की खेती भी करते हैं। खेती के प्रति उनकी लगन, नवाचारों को अपनाने की इच्छा और कृषि

विभाग के मार्गदर्शन का लाभ लेने की प्रवृत्ति ने उन्हें क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना दिया है। अमन प्रसाद ने बताया कि इस बार उन्हें समय पर पर्याप्त मात्रा में गुणवत्तापूर्ण खाद एवं बीज उपलब्ध हो गए, जिससे फसल की तैयारी सुचारु रूप से हो सकी और उन्हें किसी प्रकार की कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ा। वे बताते हैं कि समिति में खाद एवं बीज वितरण की व्यवस्था सरल, पारदर्शी और व्यवस्थित है।

किसान क्रेडिट कार्ड बनने से आसान हुई खेती

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सुशासन तिहार आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम बनकर उभर रहा है। सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड के ग्राम जोधपुर निवासी किसान सानू कुमार रजवाड़े को भी इस पहल से बड़ी राहत मिली है। लंबे समय से किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के अभाव में खेती के लिए आवश्यक खाद और बीज निजी दुकानों से खरीदने को मजबूर सानू की समस्या का समाधान अब हो गया है।सानू कुमार बताते हैं कि किसान क्रेडिट कार्ड नहीं होने के कारण उन्हें कृषि आदानों की खरीद नकद भुगतान कर

लागत बढ़ जाती थी और कई बार आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता था। सहकारी समिति से मिलने वाली सुविधाओं का लाभ भी उन्हें नहीं मिल पा रहा था।सुशासन तिहार के दौरान उन्होंने समाधान शिविर में अपनी समस्या रखी। आवेदन पर त्वरित कार्रवाई करते हुए उनका किसान क्रेडिट कार्ड बना दिया गया।

किसान अवध राम ठाकुर बोले बिना परेशानी मिला खाद, नैनो उर्वरकों की जानकारी से खेती में होगा लाभ

समय पर खाद उपलधता से किसानों में बढ़ा भरोसा, खरीफ की तैयारी में जुटे किसान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्य सरकार द्वारा खरीफ सीजन को ध्यान में रखते हुए किसानों को समय पर खाद और बीज उपलब्ध कराने के लिए किए गए इंतजामों का सकारात्मक असर अब गांवों में दिखाई देने लगा है। किसानों को कृषि कार्यों में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए समितियों और वितरण केंद्रों के माध्यम से उर्वरकों की सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। साथ ही किसानों को नैनो डीएपी, नैनो यूरिया जैसे

रही है, जिससे किसान नई तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित हो रहे हैं।इसी व्यवस्था से लाभान्वित किसानों में विकासखंड कवर्धा के ग्राम धरमपुरा निवासी किसान अवध राम ठाकुर भी शामिल हैं। उन्होंने समय पर खाद उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार के प्रति संतोष व्यक्त किया। ठाकुर ने बताया कि उनके पास लगभग 4 एकड़ कृषि भूमि है। इनमें वे एक एकड़ में धान तथा तीन एकड़ में गन्ने की खेती करते हैं। खरीफ सीजन की शुरुआत के साथ खेतों की तैयारी शुरू हो चुकी है और इसी तैयारी के तहत वे खाद लेने समिति पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि समिति में उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा।

उनकी जरूरत के अनुसार एसएसपी, नैनो यूरिया और नैनो डीएपी खाद आसानी से उपलब्ध हो गया। साथ ही उर्वरकों के उपयोग और उनसे होने वाले लाभ की जानकारी भी दी गई। अवध राम ठाकुर ने बताया कि पिछले वर्ष उन्होंने एक एकड़ धान उत्पादन से लगभग 18.40 क्विंटल धान का विक्रय किया, जिसके अंतर की राशि का लाभ भी उन्हें प्राप्त हुआ।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा